Ranchi ● Thursday, 08 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 112 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

पाकिस्तान!

पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में मिले पाकिस्तान के शामिल होने के साक्ष्य

नेशनल मीडिया सेंटर में भारतीय सेना व वायुसेना की ओर से दी गई विस्तृत जानकारी

ये तो झांकी है, असली हिसाब बाकी है...

NEW DELHI @ PTI :
पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने अपने जवाब से जता दिया है ये तो अभी झांकी है, असली हिसाब बाकी है। बुधवार को तड़के पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र सेनाओं का 'ऑपरेशन सिंदूर' विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित रहा। एयर स्ट्राइक के जरिए पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। भारत की प्राथमिक विदेशी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के तैयार किए गए डोजियर के आधार पर बर्बाद किए गए आतंकी शिविरों का चयन किया गया। यहीं से आतंकियों को प्रशिक्षण देकर भारत में हमले करने के लिए भेजा जा रहा था। नेशनल मीडिया सेंटर में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भारतीय सेना और वायुसेना की ओर से विस्तृत जानकारी दी गई। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में कहा कि 22 अप्रैल को लश्कर और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमला किया और 25 भारतीय नागरिकों और 1 नेपाली नागरिक की हत्या कर दी। आतंकियों ने पर्यटकों को उनके परिवार के सदस्यों के सामने सिर में गोली मारी। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले की जिम्मेदारी रेजिस्टेंस फ्रंट नामक आतंकी समूह ने ली । यह समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। इस हमले में पाकिस्तान के तार जुड़े होने की पुष्टि हुई है। नष्ट हुए आतंकी शिविरों में मुरीदके का शिविर भी शामिल है, जहां 2008 के मुंबई आतंकी हमलों में शामिल आतंकवादियों अजमल कसाब और डेविड हेडली ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

पाक के आतंकियों से संबंध उजागर

विदेश सचिव विक्रम मिस्री का कहना है कि पहलगाम आतंकी हमले ने पाकिस्तान के आतंकियों से संबंधों को उजागर कर दिया है। आतंकियों ने सैलानियों और उनके परिवार को धमकाया गया और उस बर्बरता का संदेश देने को कहा गया। चूंकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फिर से फल-फूल रहा था, इसलिए हमले का मुख्य उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि खुद को प्रतिरोधी मोर्चा कहने वाले एक समूह ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा का मोर्चा है। पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में पाकिस्तान में और पाकिस्तान को भेजे गए आतंकवादियों के संचार नोट सामने आए हैं।

खुफिया एजेंसियों के डोजियर पर किया गया तबाह किए गए आतंकी ठिकानों का चयन

भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मिनट में ही तबाह कर दिए 9 आतंकी ठिकाने

- यहीं पर कसाब-हेडली जैसे खतरनाक आतंकियों ने ली थी ट्रेनिंग
- यहीं से आतंकियों को प्रशिक्षण देकर हमले करने के लिए भेजा जा रहा था भारत
- सेना की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की ओर से विंग कमांडर व्योमिका ने दी जानकारी

दो महिला सैन्य अधिकारियों ने दुनिया के समक्ष रखी 'ऑपरेशन सिंदूर' के पराक्रम की दास्तान

कर्नल सोफिया कुरैशी : मूल रूप से गुजरात के वडोदरा की रहने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी ने 1997 में एम.एस. यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में मास्टर्स की डिग्री हासिल करने के बाद भारतीय सेना को चुना और कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स में शामिल होकर कई सफलताएं हासिल कीं। उनके दादा भी भारतीय सेना से जुड़े हुए थे। सोफिया आज खुद और उनके पति दोनों भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। साल 2016 में कर्नल सोफिया ने भारतीय सेना के इतिहास में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह : 18 दिसंबर 2004 को भारतीय वायुसेना में कमीशन हुई विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूदा समय की बेहतरीन विंग कमांडर में से एक हैं। उनके पास लड़ाकू हेलिकॉप्टर उड़ाने का बेहतरीन अनुभव है। चीता, चेतक जैसे लड़ाकू हेलिकॉप्टर उड़ाने में उन्हें महारथ हासिल है। उनके पास 2500 से भी ज्यादा घंटे की उड़ान का अनुभव और उन्हें ऊंचे पहाड़ी इलाकों में उड़ान की विशेषज्ञता हासिल है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में कई ऑपरेशन किए हैं।

सेना ने दिखाई आपरेशन सिंदूर की तस्वीरें

सेना का आपरेशन कुल 25 मिनट चला। जो फुटेज जारी किए गए, उनके मुताबिक मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:11 बजे तक 7 मिनट में आतंकियों के कुल 9 टारगेट तबाह किए। हालांकि कर्नल सोफिया कुरैशी ने

अपने बयान में आपरेशन का समय रात 1.05 से 1.30 बजे के बीच बताया। सभी टारगेट्स पर आतंकियों के शेल्टर, ट्रेनिंग सेंटर और लॉन्च पैड बने हुए थे। यह दोनों तस्वीर मरकज तैयबा की है।

इन ठिकानों को बनाया गया निशाना

- सवाई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद
- सैयदना बिलाल शिविर, मुजफ्फराबाद
- गुलपुर शिविर, कोटली
- अब्बास शिविर, कोटली
- बरनाला शिविर, भीमबेर
- सरजाल शिविर, सियालकोट
- मेहमूना जोया शिविर, सियालकोट
- मरकज तैयबा, मुरीदके
- मरकज सुभान, बहावलपुर

दागी गई 24 मिसाइलें 100 से ज्यादा आतंकी ढेर

इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की थी। इस हमले में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'आपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

स्ट्राइक को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा- 'जय हिंद'

पाकिस्तान ने तनाव बढ़ाया तो भारत दृढ़ता से जवाब देने को तैयार: एनएसए डोभाल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने विभिन्न देशों के अपने समकक्षों से कहा कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो वह दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ममता बोलीं- आतंक के खिलाफ जंग में हम साथ

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बैठक के बाद देशवासियों को संयम और एकता का संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यह समय कंधे से कंधा मिलाकर देश के लिए काम करने का है और किसी भी तरह की अफवाह या भय की कोई जरूरत नहीं है।

सर्वदलीय बैठक में किया जाएगा 'ऑपरेशन सिंदूर' का खुलासा

पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले के बाद सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें सरकार संसद के सभी राजनीतिक दलों को आपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देगी। इसके पहले सरकार ने पहलगाम के आतंकी हमले के बाद 24 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक में पहलगाम हमले की जानकारी साझा की थी। सभी दलों ने प्रभावी कार्रवाई के लिए सरकार को समर्थन दिया था। गुरुवार सुबह 11 बजे होने वाली सर्वदलीय बैठक संसद भवन पुस्तकालय कक्ष में होगी। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आपरेशन सिंदूर के बारे में संसद में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देंगे। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा के साथ दोनों सदनों में नेता विपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे शामिल होंगे।

तीन मिसाइलों से लैस राफेल फाइटर जेट ने पाकिस्तान की उड़ाई नींद

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में इस्तेमाल की गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह करके पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया इस जवाबी कार्रवाई में फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल से दागी गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल भी फ्रांस में ही बनी हैं। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज (हैमर) हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। हैमर

मिसाइल हवा से जमीन पर 60 से 70 किलोमीटर तक दुश्मन को निशाना बना सकती है। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70

नियंत्रण रेखा से सटे गांवों पर पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में 12 लोगों की मौत

पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी की, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गोलाबारी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के तुरंत बाद हुई। अधिकारियों ने बताया कि सभी नागरिकों की मौत गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिले में हुई है। उन्होंने बताया कि 42 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की अंधाधुंध गोलाबारी से सीमावर्ती निवासियों में दहशत फैल गई और उन्हें भूमिगत बंकरों में शरण लेने या अपने गांवों के भीतर या बाहर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

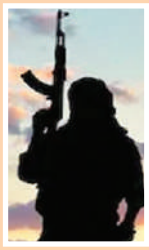

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- पूरा देश हमारी ओर देख रहा था, ये तो होना ही था

भारत द्वारा पाकिस्तान के 9 स्थानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्रियों को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कैबिनेट को बताया कि ऑपरेशन बिल्कुल योजना के अनुसार ही किया गया और इसमें किसी भी तरह की कोई गलती नहीं हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेना ने पहले से की गई विस्तृत तैयारियों का सख्ती से पालन करते हुए अत्यंत सटीकता के साथ मिशन को अंजाम दिया। बताया कि पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा की और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा था। ये तो होना ही था। कैबिनेट मंत्रियों ने सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया और सशस्त्र बलों की उनके सफल संचालन के लिए सराहना की। केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री और सैन्य प्रतिष्ठान के साथ मजबूती से खड़ा है। सीमा पार घुसपैठ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आतंकी ठिकानों और शिविरों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले को सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

1947 से अब तक हुए भारत-पाक सशस्त्र संघर्षों पर एक नजर

1947 (पहला भारत-पाक युद्ध) : इस युद्ध को प्रथम कश्मीर युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। यह तब शुरू हुआ जब नव स्वतंत्र राष्ट्र भारत और पाकिस्तान के बीच तत्कालीन जम्मू कश्मीर रियासत को लेकर संघर्ष छिड़ गया।

1965 (दूसरा भारत-पाक युद्ध) : 5 अगस्त, 1965 को कश्मीर को लेकर सशस्त्र संघर्ष छिड़ गया। यह तब शुरू हुआ जब हजारों पाकिस्तानी सैनिकों ने स्थानीय विद्रोहियों के वेश में जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पार भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की।

1971 (बांग्लादेश मुक्ति संग्राम) : 1971 का भारत-पाक युद्ध पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना के दमन की कार्रवाई और उस हिस्से से उठी स्वतंत्रता की मांग के कारण शुरू हुआ था।

1999 (करगिल युद्ध) : 1999 का करगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच ऊंचाई वाले क्षेत्र में हुआ संघर्ष था, जो उस साल मई से जुलाई तक लड़ा गया था।

2016 (उरी हमला) : 18 सितंबर, 2016 को जम्मू कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के एक केंद्र पर हुए आतंकवादी हमले में 19 सैनिकों के शहीद होने के बाद भारत ने 28-29 सितंबर की दरमियानी रात को नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक की।

2019 (पुलवामा हमला) : 26 फरवरी, 2019 को, भारतीय वायु सेना ने पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हवाई हमले किए। पुलवामा आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।

खड़गे बोले- सेना की बहादुरी को सलाम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- देश की सेना की बहादुरी को सलाम है। उनके साथ हम कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। हमारे भारतीय शस्त्र बलों पर हम गर्व करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके के अंदर के ठिकानों पर साहसिक कार्रवाई की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दिन से ही कांग्रेस सेना और सरकार के साथ खड़ी थी।

राहुल बोले- हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिन्द। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बयान में कहा कि यह समय एकता का है। 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस यह स्पष्ट कह रही है कि सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा।

क्रूर हत्या के प्रति भारत की प्रतिक्रिया : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत की ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हमारे निर्दोष भाइयों की क्रूर हत्या के प्रति भारत की प्रतिक्रिया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आज कहा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।

अपनी धरती पर हमले का जवाब : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत निर्धारित लक्ष्यों को योजना के अनुसार सटीकता के साथ नष्ट कर दिया गया। पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ सशस्त्र बलों की जवाबी कार्रवाई की सराहना करते हुए सिंह ने कहा, भारत ने अपनी धरती पर हुए हमले का जवाब देने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है।

BRIEF NEWS

सिरमटोली फ्लाईओवर निर्माण के लिए कल से छह ट्रेनें रहेंगी रद्द

RANCHI : रांची रेल मंडल के अंतर्गत चार लेन वाले सिरमटोली, सड़क सह रेल ऊपरी पूल निर्माण कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसे लेकर कई ट्रेनें रद्द रहेंगी। रेलवे ने जिन ट्रेनों को रद्द किया है उनमें ट्रेन संख्या 18602/18601 हटिया - टाटानगर - हटिया एक्सप्रेस 14, 15, 20, 25, 26, 27, 28, 29 और 30 मई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 58034/58033 रांची - बोकारो स्टील सिटी - रांची पैसेंजर ट्रेन नौ, 13, 14, 15, 20, 25, 26, 27, 28, 29 और 30 मई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 58663/58664 हटिया - सांकि - हटिया पैसेंजर, ट्रेन नौ, 13, 14, 15, 20, 25, 26, 27, 28, 29 और 30 मई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 58665/58666 हटिया - सांकि - हटिया पैसेंजर ट्रेन नौ, 13, 14, 15, 20, 25, 26, 27, 28, 29 और 30 मई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 68036/68035 हटिया - टाटानगर - हटिया मेमू ट्रेन 25 और 30 मई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 18628/18627 रांची - हावड़ा - रांची एक्सप्रेस ट्रेन 25 मई को रद्द रहेगी। यह जानकारी रांची रेल मंडल ने बुधवार को दी।

'ऑपरेशन सिंदूर' स्वागत योग्य : शाहिद अयूबी

RANCHI : ऑपेरशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमला का करारा जवाब और बेकसूरों को सच्ची श्रद्धांजलि है। भारतीय सैन्य बलों का यह हमला स्वागत योग्य है। उक्त बातें मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष शाहिद अय्यूबी ने कहा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह सीख दी जानी चाहिए कि फिर कभी दूसरा पहलगाम न हो। पाकिस्तान के आतंक ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर देना चाहिए। भारतीय सेना ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई प्रारंभ करना प्रशंसनीय है।

जमानत पर छूटे अपराधियों की जानकारी जुटाने की पुलिस को मिलेगी ट्रेनिंग

RANCHI : झारखंड में जेल से जमानत पर छूटे अपराधियों और कैदियों की जानकारी जुटाने के लिए पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार (रांची) से पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जायेगी। इसमें बताया जायेगा कि ई-प्रिजन सिस्टम से अपराधियों की जानकारी कैसे डाउनलोड करते हैं। गौरतलब है कि झारखंड डीजीपी ने पिछले कुछ वर्षों में जमानत पर छूटे अपराधियों और कैदियों की ई-प्रिजन डिटेल डाउनलोड करने को लेकर विशेष ट्रेनिंग कराने का निर्देश दिया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि गंभीर प्रवृत्ति के अपराधी, जो विगत वर्षों में जेल से जमानत पर हैं, उनसे संबंधित जानकारी ई-प्रिजन सिस्टम से डाउनलोड करने के लिए पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दिया जाए।

राजधानी में हेसाग स्थित पशुपालन निदेशालय में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

138 पारा-वेट और 50 सहकारी समितियों को कृषि मंत्री ने दिए निबंधन प्रमाण पत्र

- प्रदेश में जहां औद्योगिक विकास की संभावना बहुत कम दिखती है, वहां बढ़ जाती है सहकारी समितियों की भूमिका
- सहकारी समितियों के सदस्यों को एक दूसरे की मदद करते हुए आगे बढ़ाने की जरूरत
- राज्य में 11 हजार 755 समितियां पंजीकृत, जिनमें से कई समितियां बेहतर काम कर रही हैं, जबकि कई समितियां शिथिल

कार्यक्रम में उपस्थित कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के हेसाग स्थित पशुपालन निदेशालय में बुधवार को 138 पारा-वेट प्रशिक्षण प्रमाण पत्र और 50 सहकारिता समितियों के बीच निबंधन प्रमाण पत्र वितरण किया गया। प्रमाण पत्रों का वितरण राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के क्षेत्र में सहकारी समितियों का बड़ा योगदान है। झारखंड जैसे प्रदेश में जहां औद्योगिक विकास की संभावना बहुत कम दिखती है, वहां सहकारी समितियों की भूमिका बढ़ जाती है। आज के दिन कई राज्यों में सहकारी समितियां बड़े-बड़े काम कर रही है। इस सोच के साथ सहकारी समितियों के सदस्यों को एक दूसरे की मदद करते हुए आगे बढ़ाने की जरूरत है। बगैर आपसी सामंजस्य से समितियों का विकास संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि राज्य में 11 हजार 755 समितियां पंजीकृत हैं, जिनमें से कई समितियां बेहतर काम कर रही हैं, जबकि कई समितियां शिथिल पड़ी हैं। उन्हें एक मौका जरूर दिया जाएगा, ताकि वो अपने काम की गति को बढ़ा सकें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो उनका निबंधन रद्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ये नहीं पता की राशि का उपयोग रोजगार के लिए कैसे करना है। एसे में ये सहयोगी समितियों उनकी मदद कर सकती हैं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पाराभेट के प्रशिक्षण से पशु चिकित्सा , टीकाकरण , कृत्रिम गर्भधारण के काम में गति मिलेगी। प्रशिक्षण के बाद पाराभेट को क्या करना है, यह जान लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पशुधन सहायक की बहाली में पाराभेट को भविष्य में प्राथमिकता मिले इसकी कोशिश विभाग के द्वारा जरूर की जाएगी। मोबाइल वेटनरी वैन में भी एक पाराभेट प्रशिक्षु होंगे।

मंत्री ने कहा कि शिक्षा को अगर उपयोग में नहीं लाएंगे तो प्रशिक्षण का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जो प्रशिक्षण दिया गया है, उसको क्षेत्र के लोगों के साथ साझा करने से पशुपालकों को लाभ मिलेगा। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में उप निबंधक जार्ज अफ्रेम कुजूर, उप निदेशक मनोज तिवारी, सहायक निबंधक अशोक तिवारी, सैमसन टोप्पो सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई प्रारंभ : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में भारतीय सेना की प्रसंशा हो रही है। झारखंड में भी इस पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी ऑपरेशन सिंदूर सराहना की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बाबूलाल मरांडी ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई प्रारंभ कर दी है। भारतीय सेना अपने चिर परिचित अंदाज में अद्भुत शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन के घर में घुस कर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। हमारे देश की ओर आंख उठाकर भी देखने वाले आतंकवादियों और उसके रहनुमाओं का सिर कुचल दिया जाएगा। भारत माता की जय।

कांग्रेस ने मुसलमानों को धोखा दिया, अब देश का हर मुस्लिम मोदी के साथ : मौलाना सजिद रशीदी

PHOTON NEWS RANCHI : ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद सजिद रशीदी ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को ऐतिहासिक बताते हुए कांग्रेस पार्टी और ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। कांग्रेस ने मुसलमानों को धोखा दिया, अब देश का हर मुस्लिम नरेन्द्र मोदी के साथ है। रशीदी बुधवार को रांची प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब मुसलमान जाग चुका है। अब हमें अपने बच्चों को सिर्फ. मदरसों तक सीमित नहीं रखना, बल्कि उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा, तकनीकी कौशल और प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच दिलानी है। इसके लिए जरूरी है कि हमारी संपत्तियां, विशेषकर वक्फ संपत्तियां, सुरक्षित और उपयोगी हों। उन्होंने भी कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक सिर्फ मुस्लिमों की भलाई का नहीं, बल्कि पूरे समाज की पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रतीक है। ऐसे में जो भी दल इसका विरोध करता है, वह सिर्फ. मुस्लिम समाज के हित के खिलाफ ही नहीं, बल्कि प्रगति और न्याय के खिलाफ भी है। सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा जैसे आयोगों की अध्ययन रिपोर्टों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी में मुसलमानों की बदतर स्थिति उजागर हुई, लेकिन कांग्रेस ने कभी उन सिफारिशों को लागू नहीं किया। जबकि, आज मोदी सरकार ने पारदर्शिता, ई-गवर्नेंस और जवाबदेही के सिद्धांतों के आधार पर वक्फ सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है।

जेपीएससी रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

जेपीएससी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करते अभ्यर्थी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : ग्यारहवीं जेपीएससी परीक्षा का परिणाम जारी न होने से नाराज अभ्यर्थियों ने बुधवार को आयोग के मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने रिजल्ट जारी करो के नारे लगाये और जल्द से जल्द परिणाम घोषित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी काली और आसमानी रंग के मास्क पहने हुए थे।

अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा संपन्न हुए नौ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है। इससे न केवल उनकी नौकरी की उम्मीदें अधर में हैं, बल्कि मानसिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है।

मनोज नामक अभ्यर्थी ने कहा कि परीक्षार्थी हमेशा दबाव में रहता है। हमने कड़ी मेहनत की है और महीनों से रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। आयोग को हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले परीक्षा हुई थी। हमने अध्यक्ष नियुक्ति के लिए भी प्रदर्शन किया। अब अध्यक्ष चुने गए, फिर भी परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए जा रहे हैं। आयोग यह स्पष्ट करे कि परिणाम में देरी क्यों हो रही है।

अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द परिणाम घोषित नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला ने कहा कि जब तक परिणाम जारी नहीं होता, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से एहतियातन जेपीएससी मुख्यालय के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे।

सिंदूर का बदला लेनेवाले भारतीय सेना पर गर्व : बन्ना गुप्ता

RANCHI : भारतीय सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान पोषित आतंकवादी ठिकानों पर हमले के लिए हमें भारतीय सैनिकों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि सेना ने हमारी बहनों के सिंदूर मिटानेवालों के खिलाफ बदला ले लिया। यह बातें पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने बुधवार को कही। उन्होंने कहा कि हमारे देश के बहादुर सैनिकों ने सिर्फ पहलगाम का बदला नहीं लिया, बल्कि दुश्मन देश के साथ पूरे विश्व को एक कड़ा संदेश दिया है कि भारत की संप्रभूता और सम्मान पर जब भी हमला होगा तो भारत की सेना जवाब घर मे घुसकर जवाब देगी।

झामुमो के धरने को सफल बनाने पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुश्ताक आलम की अध्यक्षता में बैठक हुई। बुधवार को हुई बैठक में नौ मई को जिला मुख्यालय में होनेवाले एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन को लेकर चर्चा हुई। पार्टी की ओर से यह कार्यक्रम सरना धर्म कोड को शामिल किए बिना जातिगत जनगणना कराए जाने के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। इसे लेकर पार्टी राज्यर के सभी जिला मुख्यालयों मे धरना प्रदर्शन करेगी। बैठक में धरना प्रदर्शन की तैयारियों के बारे में चर्चा हुई। बैठक में मौजूद पार्टी नेताओं ने कार्यक्रम को लेकर कई सुझाव भी दिए। इसपर विचार-विमर्श कर सहमति बनाते हुए धरना प्रदर्शन को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ महुआ माजी, केंद्रीय प्रवक्ता मनोज कुमार पांडेय, तमाड के विधायक विकास सिंह मुंडा, केंद्रीय सदस्य अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, जयवंत तिग्गा, नयनतारा उरांव, झब्बूलाल महतो, सोनू मुंडा सहित अन्य पार्टी के वरीय नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

आदिवासियों के साथ छल है झामुमो का धरना : विजय शंकर नायक

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का नौ मई को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम राज्य के आदिवासियों के साथ महज छल है। यह कार्यक्रम झामुमो आदिवासी समाज को भ्रमित करने और राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध के लिए आयोजित कर रहा है। यह बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बुधवार को कही। उन्होंने कहा कि झामुमो का यह कार्यक्रम एक सुनियोजित प्रयास है जो झामुमो की ओर से आदिवासियों को किए गए वादों की विफलता को दशार्ता है। नायक ने इसे झामुमो के आदिवासी वोट बैंक को भुनाने की सस्ती चाल बताया है।

इटकी में हुआ 'विधिक सेवा आपके द्वार' कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI : डालसा की ओर से डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम के तहत इटकी प्रखंड के इटकी बाजार टांड़ में विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम का अयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी उमेश कुमार, बेबी देवी, संगीता देवी, रिना लिंडा, शंकर साहू, अजय कुमार गोप, उमेश कुमार, राकेश मिश्रा और राजा वर्मा उपस्थित थे। मौके पर पीएवी उमेश कुमार ने लोगों को 10 मई को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि न्यायालय में यदि कोई मामला लंबित है तो राष्ट्रीय लोक अदालत में निबटारा करा सकते हैं। इससे समय और धन की बचत होगी। राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

बाल विवाह, डायन बिसाही और बाल श्रम की दी जानकारी

कार्यक्रम में पीएलवी बेबी देवी और संगीता देवी ने बाल विवाह, डायन बिसाही, बाल श्रम और नशा उन्मूलन के बारे में भी लोगों को जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को नशा नहीं करने की सलाह दी और कहा कि नशा से बचें अपना कीमती समय भविष्य को संवरने में लगाएं। इसके अलावा पीएलवी संगीता देवी और रिना लिंडा ने नालसा के 10 योजनाओं की जानकारी भी दी।

हाई कोर्ट ने निष्पादित की जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा गड़बड़ी की याचिका

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच में धीमी प्रगति के लिए दायर बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका को निष्पादित कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में आरोप पत्र दायर कर दिया है। प्रार्थी की ओर से भी बताया गया कि याचिका में जो आग्रह किया गया था, वह पूरा हो गया है। दोनों पक्षों को सुनने रके बाद अदालत ने याचिका को निष्पादित कर दी। उल्लेखनीय है कि जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

कल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय आयोजन का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे उद्घाटन

राजधानी में भव्य तरीके से होगा बांग्ला सांस्कृतिक मेला का आयोजन

जानकारी देते सुप्रियो भट्टाचार्य व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के बिरसा मुंडा जेल पार्क में बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय बांग्ला सांस्कृतिक मेला का आयोजन 9 से 11 मई तक किया जायेगा। इस आयोजन का उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। ट्रस्ट के संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य सहित अन्य ने संयुक्त रुप से बुधवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मेला 9 मई को सुबह 9 बजे दुर्गा बाड़ी से निकलने वाली उस प्रभात फेरी से आरंभ होगा, जो एचपी रोड होते हुए बिरसा मुंडा जेल पार्क पहुंचेगी। इस प्रभात फेरी में महिलाएं पारंपरिक लाल पाड़ की साड़ी और पुरुष धोती-कुर्ता पहनकर भाग लेंगे। सबसे आगे कीर्तन मंडली होगी, जिसके पीछे फूल-मालाओं से सजे ट्रक पर रविंद्रनाथ टैगोर की तस्वीर, बांग्ला वर्णमाला और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की सजावट सांस्कृतिक गौरव को दर्शाएगी। हर शाम 6 बजे से स्थानीय कलाकारों की ओर से संगीत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शाम 7 बजे से कोलकाता से आए डांस ग्रुप ह्यडांस गिलह्न और मोहुल बैंड अपनी नृत्य और संगीत प्रस्तुति से मंच को जीवंत बनाएंगे।

ट्रस्ट के संरक्षक ने बताया कि मेले के दूसरे दिन 10 मई को सुबह 11 बजे से स्थानीय चित्रकारों की ओर से मेला थीम पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी लगाई जाएगी। शाम 5 बजे प्रसिद्ध बांग्ला लेखक समरेश बसु की जन्मशताब्दी के अवसर पर एक विशेष साहित्यिक व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 7:30 बजे हास्य नाटक ह्यायम एपह्न का मंचन होगा और मल्हार कर्मकार बैंड संगीतमय समापन प्रस्तुति देगा।

मेला के अंतिम दिन, 11 मई को सुबह 11 बजे से पेंटिंग और पारंपरिक बांग्ला परिधान प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शाम 6:30 बजे स्थानीय कलाकारों की संगीत प्रस्तुति के बाद, 7 बजे से सम्मान समारोह होगा। इस अवसर पर विशेष अतिथि डॉ. देवेश ठाकुर कविता पाठ करेंगे।

हमें भारतीय सेना के शौर्य पर गर्व : विहिप

RANCHI : विश्व हिंदू परिषद झारखंड-बिहार के सहमंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना के जरिये नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमलाकर उसका नामोनिशान मिटा दिया गया। यह भारतीय सेना का श्रेष्ठ शौर्य प्रदर्शन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सेना के शौर्य पर गर्व है। हमारी सेना ने हिंदू बहनों के सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों को मारकर न सिर्फ उन बहनों का मान रखा है, बल्कि हमले में जान गंवाने वालों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंक के अकाओं को अब यह पता चल गया कि 24 मिसाइलों के जरिये आक्रमण हो जाता है और उन्हें पता भी न चलता, यह सिर्फ और सिर्फ भारतीय सेना का शौर्य ही कर सकता है।

जेवीएम, श्यामली स्कूल में हुआ कविता पाठ

PHOTON NEWS RANCHI : जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के दयानन्द प्रेक्षागृह में कक्षा छठी से दसवीं के छात्र-छात्राओं के बीच बुधवार को अंतर सदनीय हिंदी काव्य-पाठ प्रतियोगिता हुई।

कक्षा छठी से आठवीं तक के सब जूनियर समूह में राजेंद्र सदन सब अनमोल सिन्हा ने प्रथम,दयानंद और टैगोर सदन के क्रमशः वेद राज और अन्वी वैभव ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा टैगोर और राजेंद्र सदन की परिनंदिनी एवं सानवी बड़ाईक ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं तिलक सदन के अथर्व, आद्यांशा पलक और दयानंद सदन के अविघ्न चौधरी को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।

वहीं कक्षा नवीं से दसवीं तक के जूनियर समूह में टैगोर सदन के अभिनव कुमार, राजेंद्र सदन के शौर्यवर्धन, टैगोर सदन की काशवी रॉय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कर विजयी हुए। वहीं दयानंद सदन की अंशिका सिंह को प्रोत्साहन पुरुस्कार के लिए चुना गया।

छात्रों ने स्वरचित और हिंदी जगत के मुर्धन्य लेखकों दिनकर, निराला, हरिवंश राय बच्चन, मैथिलीशरण गुप्त के परशुराम की प्रतीक्षा, रश्मि रथी, मनुष्यता, जौहर, हे भारत के राम जगो, पथ की पहचान, हिमालय, राम की शक्ति पूजा कविता का पाठ किया। मौके पर श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 08 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 112 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

नई-नई आवश्यकताओं को बढ़ाकर मनुष्य ने अपना जीवन अस्वाभाविक बना लिया है।

-बाबू गुलाब राय

Ananya Panday Flaunts Oiled And Braided...

SHARE

सेंसेक्स	:	80,746.78
निफ्टी	:	24,414.40

SARAFA

सोना	:	9,250
चांदी	:	111.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक आज

RANCHI : राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक अब गुरुवार को होगी। पहले यह बैठक बुधवार को चार बजे से होनी थी। बुधवार को होने वाली मॉक ड्रिल के कारण कैबिनेट की बैठक में बदलाव किया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सूचित किया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक गुरुवार को दिन के तीन बजे से होगी। बैठक झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे। इसमें कई अहम निर्णय लिए जाएंगे।

झारखंड में फिर गर्म हो रहा मौसम, आज से बढ़ेगा तापमान

RANCHI : झारखंड में मौसम फिर से गर्म हो रहा है। राज्य के कई जिलों में बुधवार को तापमान बढ़कर 36 डिग्री को पार कर गया। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा जमशेदपुर में 36.4 और डाल्टेनगंज में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आठ मई के बाद तापमान में और बढोत्तरी होने की आशंका व्यक्त की है। विभाग ने बताया कि 15-20 को राज्य भर में प्रचंड गर्मी पड़ेगी। इससे तापमान में सात से आठ डिग्री वृद्धि होने की आशंका है। हालांकि अभी भी राज्य के कई जिलों में तापमान औसत से काफी कम है। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री है जो औसत तापमान से चार डिग्री कम है।

सीमा पार तनाव के बीच सोना फिर पहुंचा एक लाख रुपये के पार

NEW DELHI : भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ने से मांग में आई तेजी के बीच सोने की कीमतें राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को 1000 रुपये चढ़कर एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि दिल्ली के बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1000 रुपये बढ़कर 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को यह 99,750 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सोना इसके पहले 22 अप्रैल को भी 1800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। बुधवार को 99.5 प्रतिशत की शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,050 रुपये बढ़कर 1,00,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

राजधानी में सायरन बजते ही शुरू हो गई मॉक ड्रिल, मेकॉन चौक पर किया गया अभ्यास

डीसी, एसएसपी, एसपी मौके पर पहुंचे, घंटे भर रहा ब्लैक आउट

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, बुधवार को शाम के 4 बजते ही राजधानी रांची के डोरंडा इलाके के मेकॉन लिमिटेड के भवन में हमले की सूचना मिली। इस दौरान कई लोगों के हताहत होने की जानकारी सामने आई। जानकारी मिले ही जिले के एसएसपी, एसपी, डीसी सहित तमाम बड़े अधिकारी आनन-फानन में मेकॉन पहुंचे। यहां अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ था। माहौल का जायजा लेते हुए अग्निशमन की गाड़ियां और एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची। इसके साथ ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हताहत लोगों को एनसीसी और एनडीआरएफ के जवान निकालने में जुट गए। दरअसल यह नजारा वास्तविक हमले के बाद का नहीं था। यह एक अभ्यास था। इस आयोजन का उद्देश्य था लोगों को इस बात की जानकारी देना कि अगर कभी परिस्थितियां विपरीत होती हैं, तो उस दौरान खुद को कैसे बचाना है। वहीं यह भी देखना था कि प्रशासन और पुलिस किस स्तर तक विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए खुद को तैयार रखी हुई है।

मॉक ड्रिल के दौरान मेकॉन में ब्लैक आउट

- माहौल का जायजा लेते हुए अग्निशमन की गाड़ियां और एंबुलेंस को मौके पर बुलाया गया
- राहत व बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची

3 घंटे तक चली मॉक ड्रिल

राजधानी रांची में मॉक ड्रिल की प्रक्रिया 4 बजे शुरू हुई। यह शाम 7 बजे तक चली। इस दौरान जहां बचाव और राहत कार्य के तरीके दिखाए गए वहीं ब्लैक आउट कर लोगों को अंधेरे में खुद को सुरक्षित बनाए रखने का अभ्यास कराया गया।

देश के 244 डिफेंस डिस्ट्रिक्ट में हुआ अभ्यास

NEW DELHI : बुधवार को देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट में ब्लैकआउट एक्सरसाइज की गई। गृह मंत्रालय ने इन जगहों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। इससे पहले, इधर, इन 244 डिस्ट्रिक्ट में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों को लेकर मॉक ड्रिल हुई। इसमें लोगों, कर्मचारियों, स्टूडेंट्स को आपात स्थिति में बचाव और लोगों को निकालने के तरीके समझाए गए। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 55 स्थानों पर सुरक्षा मॉक ड्रिल (सुरक्षा अभ्यास) की गई और इस दौरान तेज आवाज में बजते सायरन, सुरक्षित स्थानों की ओर भागते लोग, स्ट्रेचर पर घायल लोगों को ले जाये जाने जैसे कुछ दृश्य दिखे। राष्ट्रव्यापी ऑपरेशन अभ्यास के तहत हवाई हमलों, एक साथ कई स्थानों पर आग लगने की घटनाओं और खोज व बचाव अभियान जैसे विभिन्न परिदृश्यों का किस तरह सामना करना है, इसको दर्शाते हुए मॉक ड्रिल की गई। कई स्थानों पर पीसीआर वैन और दमकल गाड़ियां तैनात की गईं, जबकि सुरक्षा कर्मियों और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भारी तैनाती की गई। खान मार्केट में, सायरन बजाए गए और लोगों को निकासी अभ्यास के तहत भागने के लिए कहा गया। चांदनी चौक में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, कर्मियों और एनसीसी कैडेट की मौजूदगी में मॉक ड्रिल की गई। टाउन हॉल के पास चांदनी चौक में निकासी अभ्यास शुरू होते ही बाजार क्षेत्र में सायरन बजने लगे, जिससे लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। बचाव कार्य शुरू करने का संकेत देते हुए दूसरा सायरन बजाया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों को घायलों को बचाने जबकि लोगों से शांत रहने और घायलों की मदद करने का अभ्यास कराया गया। दिल्ली अग्निसेवा की क्रेन का इस्तेमाल ऊंची इमारतों तक पहुंचने और फंसे हुए लोगों को निकालने को दर्शाया गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सायरन बजाया गया। चिकित्सकों का एक दल और कई एंबुलेंस के साथ दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं। एनडीएमसी बिल्डिंग में अलार्म सायरन बजाया गया और कर्मचारियों को बाहर निकालकर बेसमेंट में ले जाया गया। आरबीआई बिल्डिंग में भी मॉक ड्रिल की गई जिसमें कांच की खिड़कियों से दूर रहने और दोनों हाथों से सिर ढककर छिपने के लिए सुरक्षित जगह खोजने के निर्देश दिए गए।

सेंट्रल कैबिनेट ने पांच आईआईटी की शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे की क्षमता विस्तार को दी मंजूरी

- 130 संकाय पदों के सृजन को भी मिली हरी झंडी
- उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए बनाए जा रहे पांच नए अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क

AGENCY NEW DELHI : बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने पांच नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे की क्षमता के विस्तार को मंजूरी दे दी। ये पांच नए आईआईटी आंध्र प्रदेश (आईआईटी तिरुपति), केरल (आईआईटी पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आईआईटी भिलाई), जम्मू-कश्मीर (आईआईटी जम्मू) और कर्नाटक (एचटी धारवाड़) राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थापित किए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि में इसकी कुल लागत 11,828.79 करोड़ रुपये है। कैबिनेट ने इन आईआईटी में 130 संकाय पदों (प्रोफेसर स्तर यानी लेवल 14 और उससे ऊपर) के सृजन को भी मंजूरी दी है। उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए पांच नए अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाए जा रहे हैं। आईआईटी में प्रवेश अखिल भारतीय आधार पर होता है और इसलिए इस विस्तार से देशभर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लाभ होगा। 2025-26 की बजट घोषणा में कहा गया है कि पिछले 10 वर्षों में 23 आईआईटी में छात्रों की कुल संख्या 65,000 से 1.35 लाख तक 100 प्रतिशत बढ़ गई है।

बढ़ेगी विद्यार्थियों की संख्या

निर्माण पूरा होने पर ये पांच आईआईटी वर्तमान छात्र संख्या 7,111 के मुकाबले 13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की वृद्धि होगी। सीटों की कुल संख्या में इस वृद्धि के साथ अब 6,500 से अधिक अतिरिक्त छात्र देश के सबसे प्रतिष्ठित और मांग वाले शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन करने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे। छात्रों और सुविधाओं की बढ़ती संख्या का प्रबंधन करने के लिए संकाय, प्रशासनिक कर्मचारियों, शोधकताओं और सहायक कर्मियों की भर्ती के माध्यम से प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा। उल्लेखनीय है कि ये पांच नए आईआईटी आंध्र प्रदेश (आईआईटी तिरुपति), केरल (आईआईटी पलक्कड़), छत्तीसगढ़ (आईआईटी भिलाई), जम्मू-कश्मीर (आईआईटी जम्मू) और कर्नाटक (आईआईटी धारवाड़) राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थापित किए गए थे।

अब आस्था पथ और मंदिर प्रांगण से होंगे बाबा केदारनाथ के दर्शन

RUDRAPRAYAG : श्री केदारनाथ धाम में इस वर्ष की यात्रा को और भी भव्य एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल की है। अब श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शनों के साथ-साथ उनकी दिव्यता और महिमा का साक्षात अनुभव मंदिर प्रांगण और आस्था पथ पर भी कर सकेंगे। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन हेतु केदारपुरी पहुंचते हैं। अक्सर मंदिर तक पहुंचने से पहले लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आस्था और धैर्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष योजना के तहत आस्था पथ और मंदिर प्रांगण में एलसीडी स्क्रीन लगाए गए हैं, जिन पर बाबा केदारनाथ के लाइव दर्शन दिखाए जा रहे हैं।

चंद्रमा पर होंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री के पदचिह्न, मंगल और शुक्र भी रडार पर : प्रधानमंत्री मोदी

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके अंतरिक्ष यात्रियों के कदम चांद पर पहुंचेंगे। वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन के लिए अपने रिकॉर्ड किए गए संदेश में मोदी ने कहा कि देश में अन्वेषण के मिशनों में मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं। उन्होंने मंगलवार को रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में कहा, भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। इसका अर्थ है एक साथ मिलकर ऊंचाइयों को छूना। हम मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष की खोज करने के वास्ते एकसाथ मिलकर लक्ष्य साझा करते हैं।

- भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं, बल्कि एक साथ मिलकर ऊंचाइयों को छूना है
- भारत ने अपने प्रक्षेपण यानों से 34 देशों के 400 से अधिक उपग्रह किए प्रक्षेपित

उन्होंने कहा कि भारत ने दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक उपग्रह प्रक्षेपित किया है और जी-20 देशों की अध्यक्षता के दौरान घोषित जी-20 उपग्रह मिशन ग्लोबल साउथ के लिए एक उपहार होगा। मोदी ने 2027 की शुरूआत में प्रस्तावित प्रक्षेपण का जिक्र करते हुए कहा, हमारा पहला मानव अंतरिक्ष-उड़ान मिशन गगनयान हमारे देश की बढ़ती आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले हफ्तों में, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो-नासा के संयुक्त मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। एक्सिओम-4 मिशन को 29 मई को प्रक्षेपित करने की योजना है और भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री कक्षीय प्रयोगशाला में 14 दिन का प्रवास करेंगे। इसी तरह ग्लेक्स-2025 का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा किया जा रहा है। मोदी ने कहा, अंतरिक्ष केवल एक मंजिल नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है।

पलामू में सड़क हादसा, चार की मौत

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर-पांकी मुख्य मार्ग पर पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के बसडीहा में डंडार कॉलेज के पास मंगलवार रात सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। एक ट्रक ने पहले जाइलो कार को टक्कर मारी और फिर भागते हुए एक बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में जाइलो पर सवार जीजा-साला सहित चार लोगों की मौत हो गई। जाइलो में सवार एक महिला की हालत गंभीर है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर किया गया है।

मृतकों में जाइलो सवार पांकी थाना क्षेत्र के दीदरा गांव निवासी कर्मदयाल यादव और रतनपुर निवासी गुलाबी यादव शामिल हैं, जबकि बाइक सवार मृतकों में युवक युवराज सिंह और श्याम दयाल सिंह हैं। दोनों हरना पांकी के रहने वाले थे।

गुलाबी यादव की पत्नी को रांची रेफर किया गया है। जाइलो में सवार अन्य तीन लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

सभी लोग हूरलौंग में एक तिलक समारोह में जा रहे थे। दोनों मृतक हरियाणा की प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करते थे और शादी में शामिल होने के लिए पांच दिन पहले ही गांव आए थे।

विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने पहले जाइलो को टक्कर मारी और फिर बाइक को चपेट में ले लिया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 22 नक्सली

- अभियान के दौरान अब तक ढेर हुए 26 नक्सली

BIJAPUR @ PTI : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जारी नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने बुधवार को 22 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के करेगुट्टा की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित पहाड़ियों में 21 अप्रैल को मिशन संकल्प नाम से अभियान शुरू किया गया था जिसमें लगभग 24 हजार जवान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आज सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें 22 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले सोमवार को सुरक्षाबलों ने एक वर्दीधारी महिला नक्सली को मार गिराया था तथा घटनास्थल से हथियार और अन्य सामान बरामद किए थे। वहीं 24 अप्रैल को तीन महिला नक्सली के शव बरामद किए गए थे। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सुरक्षाबलों ने अब तक कुल 26 नक्सलियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण पश्चिम सीमावर्ती क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना के बाद सुरक्षा बल के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया था।

गंभीर संकट जहरीली हवा ने सांसों की प्राकृतिक गति के लिए खड़ी की परेशानी

भीषण गर्मी में मौत के खतरे को कई गुना बढ़ा रहे प्रदूषण के हालात

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मानवीय गतिविधियों ने जलवायु परिवर्तन की ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जो मानव जीवन के लिए ही गंभीर संकट का सबब है। सामान्य से अधिक टेंपरेचर की वजह से प्रदूषण की स्थिति भी गंभीर हो रही है। इस साल देश में फरवरी महीने का अधिक टेंपरेचर और मार्च में समय से पहले गर्मी की दस्तक अच्छा संकेत नहीं है। ऐसा देखने में आ रहा है कि भारत के शहर हर साल दो बेहद गंभीर, लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले खतरे झेल रहे हैं। ये खतरे हैं- भीषण गर्मी और जहरीली हवा। हाल में हुए नए रिसर्च से पता चला है कि जब ये दोनों खतरे एक साथ होते हैं, तो उनका प्रभाव न सिर्फ घातक होता है, बल्कि मौत के खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं। इस संबंध में स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल मेडिसिन के शोधकताओं ने विशेष अध्ययन किया है। यह महत्वपूर्ण अध्ययन 'एनवायरमेंट इंटरनेशनल' जर्नल में विस्तार से प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन से पता चलता है कि जिन दिनों में वायु प्रदूषण और अत्यधिक तापमान एक साथ चरम पर होते हैं, उन दिनों मृत्युदर में अप्रत्याशित इजाफा होता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि की वजह से बढ़ी समस्या

- कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल मेडिसिन के शोधकताओं ने किया अध्ययन
- एनालिसिस के साथ 'एनवायरमेंट इंटरनेशनल' जर्नल में प्रकाशित की गई है विस्तृत रिपोर्ट
- ठीक नहीं इस साल फरवरी का टेंपरेचर और मार्च में समय से पहले गर्मी की दस्तक
- घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अधिक खतरनाक होते है अनपेक्षित गर्मी और प्रदूषण के असर

तत्काल और सुसंगत प्रयासों की जरूरत

शोध से जुड़े प्रोफेसर जेरोन डी बोंट के अनुसार यह संयुक्त प्रभाव विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बेहद खतरनाक साबित होते है, जहां लोग पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझते हैं। यही कारण है कि वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के स्रोतों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और सुसंगत प्रयासों की जरूरत है। भारत को चाहिए कि वह इस दोहरे खतरे को नजरअंदाज करने के बजाय इसे नीति निर्धारण की प्राथमिकता बनाए। यदि अभी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट न केवल पर्यावरणीय, बल्कि लाखों लोगों के जीवन पर सीधा असर डालेगा।

अधिक गर्मी और कम प्रदूषण की स्थिति में अप्रत्याशित नहीं देखी जाती मृत्यु दर

36 लाख से अधिक मौतों का किया गया विश्लेषण

भारत जैसे देशों में गर्मी और प्रदूषण में साल-दर-साल वृद्धि हो रही है। शोधकताओं ने 2008 से 2019 के बीच भारत के 10 बड़े शहरों में 36 लाख से अधिक मौतों का विश्लेषण किया। शोध में सामने आया कि जब तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है और उसी समय पीएम2.5 कणों का स्तर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर बढ़ता है, तो मृत्यु दर में 4.6% की वृद्धि हो जाती है। यह उस वृद्धि से कई गुना ज्यादा है जो केवल गर्मी या केवल प्रदूषण के प्रभाव में देखी जाती है। यहां तक कि जब पीएम 2.5 का स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंचता है, तो मृत्यु का जोखिम 64% तक बढ़ जाता है।

14 वर्षीय आदिवासी लड़की को 35 साल के व्यक्ति के हाथों बेचा, आठ लोग अरेस्ट

THANE : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हाल ही में 14-वर्षीय आदिवासी लड़की से शादी करने वाले 35-वर्षीय व्यक्ति सहित आठ लोगों को बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शादी करने वाले व्यक्ति ने नाबालिग लड़की को उसके माता-पिता को कथित तौर पर पैसे देकर खरीदा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की कातकरी समुदाय से है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों से पुरुषों का ठाणे जिले के आदिवासी इलाके में आना और दुल्हन के लिए पैसे देना इस क्षेत्र में एक नया चलन है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग लड़की के पिता ने उसकी शादी पश्चिमी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के निवासी मंगेश गडेकर (35) से 1.20 लाख रुपये में तय की थी।

पत्नी संग बोकारो पहुंचे सीएम हेमंत पूर्व मंत्री के बेटे-बहू को दिया आशीर्वाद

RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ बोकारो जिले के चंद्रपुरा प्रखंड के अलारगो गांव पहुंचे। यहां वे प्रदेश के पूर्व मंत्री दिवंगत जगन्नाथ महतो के सुपुत्र अखिलेश महतो उर्फ राजू के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने नवविवाहित जोड़े को फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी। इस खास मौके पर उन्होंने जगन्नाथ महतो की पत्नी और प्रदेश की पूर्व मंत्री बेबी देवी एवं उनके परिजनों को भी हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जगन्नाथ महतो लंबे समय से राजनीति में सक्रिय रहे थे। वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने डुमरी विधानसभा से जीत हासिल की थी। उन्होंने झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद संभाला था।

समाचार सार

साढ़े 5 किलोमीटर लंबी सड़क का शुरू हुआ निर्माण

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के होयोहातु पंचायत के सोनारामा जहिरा स्थल से कामेगाड़ा तक साढ़े 5 किलोमीटर सड़क का निर्माण बुधवार से शुरू हो गया। आरईओ विभाग से बनने वाली सड़क का भूमिपूजन बुधवार को विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम, बंदगांव प्रतिनिधि मिथुन गागराई तथा झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव ने किया। सड़क 3 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से बनेगी। सन्नी उरांव ने कहा कि यह सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। ग्रामीणों द्वारा लगातार सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। इसके बाद विधायक सुखराम उरांव ने प्राथमिकता के आधार पर योजना की स्वीकृति दिलाई। इस सड़क मार्ग से दर्जनों विद्यालय जुड़ते हैं तथा होयोहातु पंचायत के साथ-साथ बंदगांव प्रखंड के ग्रामीण भी आवगमन करते हैं। सप्ताह में दो दिन हाट लगता है, इसका भी फायदा ग्रामीणों को सड़क बनने से मिलेगा।

सीएचसी में दूर होगी चिकित्साकर्मियों की कमी : विधायक

MANOHARPUR : विधायक जगत माझी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। विधायक ने ऑपरेशन थिएटर भी देखा और चिकित्सा पदाधिकारी से स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। विधायक ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी जल्द ही दूर की जाएगी। विधायक ने अस्पताल में इलाजरत झामुमो कार्यकर्ता बहादुर मुर्मू से भी हाल-चाल जाना। बहादुर मुर्मू पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात की और स्वास्थ्य का हालचाल लिया।

दीवार गिरने से मृत व्यक्ति के परिजन को मिलेगा मुआवजा

GHATSILA : गालूडीह थाना क्षेत्र के बाघुडिया गांव में मंगलवार की रात मिट्टी की दीवार गिरने से 42 वर्षीय विश्वनाथ टुडू की मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर बुधवार को शिक्षा मंत्री के प्रतिनिधि जगदीश भकत के नेतृत्व में झामुमो का प्रतिनिधिमंडल अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला पहुंच कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने तत्काल अंचलाधिकारी निशान अंबर से बात कर आपदा प्रबंधन से मुआवजा दिलाने की बात कही। अंचलाधिकारी ने परिजनों से मिलकर मृतक की पत्नी रुक्मिणी टुडू को मुआवजा के लिए आवेदन देने को कहा। बुधवार को ही पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

जरुली में बनेगी रेलवे की हेल्थ यूनिट

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के जरुली में पदस्थापित लगभग एक हजार रेल कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है। उन्हें इलाज के लिए डंगुवापोसी नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि जरुली में ही रेलवे हेल्थ यूनिट खुलेगा। रेलवे मेंस यूनियन ने इस मुद्दे को पीएनएम मीटिंग में उठाया था। मेंस यूनियन के मंडल संयोजक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रेल प्रशासन ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए अब हेल्थ यूनिट के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। चक्रधरपुर में बुधवार को एक बैठक बुलाई गई थी, इसमें हेल्थ यूनिट का विस्तृत प्रपोजल तैयार किया गया। मनोज सिंह ने बताया कि जरुली और बांसपानी में कार्यरत रेल कर्मचारियों को इलाज के लिए परेशानी कम होगी। हेल्थ यूनिट बनने से अब कर्मचारी स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिक चिकित्सा सुविधा पा सकेंगे।

सरकारी स्कूलों में लगाई अस्थायी अमृतधारा

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच, टाटानगर अचीवर्स शाखा द्वारा स्वास्थ्य, जलयोजन और सामुदायिक देखभाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी स्कूलों में अमृतधारा एवं जूस वितरण की शुरूआत बुधवार से की गई। इसके तहत बागबेड़ा, परसुडीह और सोनारी के विभिन्न सरकारी स्कूलों और मंदिर के पास अस्थायी अमृतधारा लगाई गई। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, शाखा सचिव विजय सोनी, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष सुगम सरायवाला, उमंग अग्रवाल (अमृतधारा संयोजक), शिव चौधरी, सौरव अग्रवाल, महेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

जेम्को मैदान में हो रहे काम को बस्तीवासियों ने रोका

JAMSHEDPUR : टेल्को क्षेत्र के जेम्को मैदान का घेराव जारी है। इसके साथ ही बुधवार को गलत काम होने की सूचना पर बस्तीवासियों ने विरोध किया और काम को तत्काल बंद कराया। बस्तीवासियों का कहना है कि बच्चों को खेल का मैदान दिया जाए। स्थानीय निवासी रीता कौर ने बताया कि मैदान में स्टे लगने के बाद भी काम किया जा रहा है।

चाकुलिया में हाथी के हमले से महिला की मौत, दूसरी गंभीर रूप से घायल

पत्ता तोड़ने गई थीं डुमुरडीहा गांव से सटे जंगल

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया वन क्षेत्र में बुधवार को डुमुरडीहा गांव से सटे साल के जंगल में पत्ता तोड़ने गई दो महिलाओं पर एक हाथी ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में 54 वर्षीय महिला बेहुला नायक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला शांति देवी गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसे इलाज के लिए परिजनों द्वारा झाड़ग्राम, पश्चिम बंगाल ले जाया गया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के विधायक समीर मोहंती, पंचायत के मुखिया शिवचरण हांसदा और प्रभारी फॉरेस्टर कल्याण महतो गांव पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। मृतका के परिजनों को वन विभाग द्वारा तत्काल राहत के तौर पर 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है, शेष मुआवजा राशि सरकारी प्रक्रिया के बाद जल्द देने की बात कही गई है।

परिजनों को मुआवजा राशि देते विधायक समीर मोहंती ● फोटोन न्यूज

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में हाथी का लगातार विचरण हो रहा है और वह शाम होते ही गांव में प्रवेश कर उपद्रव मचाते हैं। इस स्थिति से ग्रामीणों में भारी भय और आक्रोश है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि घटना की जानकारी देने के बावजूद विभागीय अधिकारी और कर्मचारी काफी देर से पहुंचे। साथ ही, विभाग द्वारा किसी भी तरह की पूर्व सूचना नहीं दी जाती, जिससे ग्रामीण समय रहते सतर्क नहीं हो पाते।

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में हाथी की मौजूदगी की जानकारी समय-समय पर दी जाए और जंगल में काम करने वाले ग्रामीणों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। हाथी को जल्द से जल्द गांव से दूर सुरक्षित स्थान पर भेजने की भी मांग की गई है।

बकरी चराने गई दादी-पोती की वज्रपात से मौत

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह थाना क्षेत्र के खड़ियाडीह गांव में बुधवार की शाम बकरी चराने गई दादी व पोती की वज्रपात से मौत हो गई। बुधवार की शाम बिना बारिश के ही आकाशीय बिजली चमक रही थी। इस दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 62 वर्षीय दादी बसंती महतो एवं पोती कक्षा 8 की छात्रा काकुली महतो की मौत बड़ा बांध के समीप मैदान में ही हो गई। बारिश छूटने के बाद घर नहीं पहुंचने पर परिवार वालों ने खोजबीन शुरू की, तो देखा कि दोनों बांध के सामने मैदान में पड़ी है। परिवार वालों ने उठाकर गालूडीह के निरामय हेल्थ केयर ले गए, जहां से चिकित्सक ने उसे अनुमंडल अस्पताल रेफर कर दिया।

अस्पताल पहुंचे परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक डॉ. मीरा मुर्मू ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंचे मंत्री प्रतिनिधि जगदीश भगत एवं झामुमो के वरिष्ठ नेता काजल डान ने शवों को रखने की व्यवस्था अनुमंडल अस्पताल में कराई। उन्होंने कहा कि गुरुवार को सुबह पोस्टमार्टम के बाद ही आगे की कार्रवाई करते हुए दोनों को उचित मुआवजा आपदा प्रबंधन से दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

छात्रों का रक्षासूत्र तोड़ने वाली शिक्षिका ने मांगी माफी, जांच कमेटी गठित

हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन, लगाए नारे, टीचर पर कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS JSR : कदमा स्थित डीबीएमएस हाई स्कूल में छात्रों की कलाई पर बंधा कलावा (रक्षासूत्र) जबरन तोड़ने के मामले में शिक्षिका ने माफी मांग ली है। हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि कक्षा 8-डी के छात्र आदित्य ओझा समेत कई बच्चों की कलाई से शिक्षिका शगुफ्ता नाज ने रक्षासूत्र काटकर हटाया और आगे न पहनने की चेतावनी दी थी। इस घटना को लेकर छात्र के पिता पवन ओझा ने विद्यालय प्रबंधन को लिखित शिकायत दी है। वहीं शिक्षा सत्याग्रह के अध्यक्ष अंकित आनंद ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, उपायुक्त और जिला शिक्षा अधीक्षक को पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग रखी है।

डीबीएमएस स्कूल के बाहर नारेबाजी करते हिंदू संगठनों के नेता ● फोटोन न्यूज

बुधवार को सनातन उत्सव समिति, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू पीठ और शिक्षा सत्याग्रह के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से स्कूल गेट के समक्ष प्रदर्शन किया। इसमें अजय गुप्ता, चिंटू सिंह, अरुण सिंह, अंकित आनंद, ललित राव, अमित सिंह, कुलदीप सिंह, मीरा सिंह, अमृत सिंह, मनीष सिंह, हर्ष अग्रवाल, शुभम आदि शामिल थे। प्रदर्शन में शिक्षिका को बर्खास्त करने, स्कूल से सार्वजनिक माफीनामा जारी करने और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग से संबंधित नारे लगाए। विरोध के दौरान कदमा थाना की पुलिस तैनात रही।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

CHAIBASA : पाकिस्तान में मंगलवार रात को हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा ने चक्रधपुर व चाईबासा में बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली। चाईबासा में यह यात्रा पोस्टऑफिस चौक से शहीद पार्क चौक तक गई, जिसमें कार्यकताओं व नागरिकों ने भारत माता की जय... और वंदे मातरम... के नारों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। इस यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, वरिष्ठ भाजपा नेता जेबी तुबिद, जिला अध्यक्ष संजय पांडे, गीता बलमुचू, सतीश पुरी आदि भी शामिल थे।

माइंस के गड्ढे में मिली उतराती हुई लाश, हत्या की आशंका

तालाब में दिख रहा शव ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र स्थित आयरन ओर की राजकां माइंस में बने गड्ढेनुमा तालाब से बुधवार को एक युवक की उतराती हुई लाश मिली। संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर टोन्टो थाना की पुलिस पहुंची और शव को पानी से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया। मृत युवक की पहचान दोपहर बाद तक नहीं हो सकी थी। पुलिस इसकी जांच पड़ताल कर रही है। शव पर गहरे जख्म हैं, जिससे हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक की किसी दूसरी जगह हत्या कर यहां लाश फेंक दी गई है। शव एक-दो दिन पुराना बताया जा रहा है, क्योंकि पानी में रहने से शव फूल गया है। बहरहाल पुलिस को उसकी पहचान कराने के साथ-साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

विधायक निधि से लगेगा 30 एचपी का मोटर, शुरू होगी शहरी जलापूर्ति

जनता दरबार में लोगों की शिकायत सुनते विधायक जगत माझी ● फोटोन न्यूज

MANOHARPUR : करीब दो वर्षों से ठप पड़ी मनोहरपुर शहरी जलापूर्ति विधायक जगत माझी के प्रयास से जल्द शुरू होगी। बुधवार को प्रखंड कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में विधायक ने कहा कि खराब पड़े 30 एचपी के मोटर के बदले विधायक निधि से नया मोटर लगाया जाएगा। विधायक ने अधिकारियों को कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। मालूम हो कि मोटर खराब होने के कारण शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। विधायक ने जनता दरबार में आए कुछ मामलों का बीडीओ और सीओ के संज्ञान में देकर तत्काल समाधान कराया। पार्टी कार्यकताओं को विधायक ने निर्देश दिया कि अपने-अपने पंचायत की समस्याओं को सूचीबद्ध कर निदान की दिशा में पहल करें। जनता दरबार में बीडीओ शक्ति कुंज, सीओ प्रदीप कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रंजीत यादव, किशोर खलखो, मानुएल बेक, विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे।

बागबेड़ा में पानी भरने को लेकर विवाद मारपीट कर सिर फोड़ा

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा थाना क्षेत्र के गांधी नगर में बुधवार को दोपहर में पानी भरने को लेकर विवाद हो गया। टैंकर से पानी लेने के दौरान दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। इस दौरान काली तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिर में गंभीर चोट आई और इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल काली तिवारी ने अपने पड़ोसी प्रिया सिंह और कृष्णा की मां पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि टैंकर से पानी भरने के दौरान पाइप उनका छोटा भाई पकड़े हुए था, लेकिन प्रिया सिंह जबरन पाइप छीनने लगीं। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने उन पर ईंट से हमला कर दिया। हमले में काली तिवारी का सिर फट गया।

घटना के बाद काली तिवारी ने बागबेड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सीएम हेमंत पहुंचे चांडिल, फुफेरे भाई व आंदोलनकारी कपूर बागी को दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS SERAIKELA : झारखंड आंदोलनकारी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के फुफेरे भाई कपूर कुमार टुडू उर्फ कपूर बागी (51) का मंगलवार को निधन हो गया था। सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को चांडिल पहुंचे, जहां सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल के चिलगू-चाकुलिया स्थित आवास पर फुफेरे भाई को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री अंतिम यात्रा और अंत्येष्टि में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कपूर टुडू जी के रूप में मैंने अपना एक भाई, दोस्त और झारखंड आंदोलनकारी खो दिया है। उनका निधन न सिर्फ हमारी पारिवारिक क्षति है, बल्कि इस राज्य ने एक ऐसे व्यक्तित्व को खो दिया है, जिन्होंने अलग राज्य के संघर्ष से लेकर अपने पूरे जीवन काल में सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आम लोगों की तकलीफों को दूर करने का प्रयास करते रहे। कपूर बागी अपने पीछे मां सुखी टुडू, पत्नी सुकुरमनी टुडू, दो पुत्र व एक पुत्री छोड़ गए हैं। वे सादगी और सरलता के लिए जाने जाते थे। समाजसेवी के रूप में भी उनकी पहचान थी।

शव पर कफन ओढ़ाते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व इनसेट में कपूर बागी की फाइल फोटो

मॉक ड्रिल : शहर की कंपनियों व स्कूलों में किया गया एयर स्ट्राइक से बचाव का पूर्वाभ्यास

हवाई हमले के बाद सीएच एरिया में डेढ़ घंटे चला रेस्क्यू अभियान

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर के नॉर्दर्न टाउन स्थित सर्किट हाउस एरिया में बुधवार को एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल शाम चार बजे शुरू हुई। मॉक ड्रिल का सायरन बजते ही सर्किट हाउस एरिया में तैनात सिविल डिफेंस के जवान अलर्ट हो गए। सामने मैदान में क्रिकेट मैच हो रहा था। जैसे ही बच्चों ने सायरन की आवाज सुनी, सभी जमीन पर लेट गए, ताकि हवाई हमले से बचा जा सके। एयर स्ट्राइक ठीक 5 बजे महारानी मेंशन के ए ब्लॉक में हुई। एयर स्ट्राइक की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। इनमें डीसी अनन्य मित्तल, एसडीओ शताब्दी मजूमदार, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष, सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल आदि थे। सिविल डिफेंस के जवानों ने बिल्डिंग को कार्डन ऑफ कर दिया। अग्निशमन विभाग की गाड़ियां पहुंच गईं। सिविल डिफेंस के जवानों को बिल्डिंग में भेजा गया, ताकि पता चल सके कि एयर स्ट्राइक से कितना नुकसान हुआ है। बिल्डिंग में घुसे जवानों ने बताया कि बिल्डिंग में काफी डैमेज हुआ है। तीन लोग घायल हुए हैं। इसके बाद एंबुलेंस बुलाई गई। घायलों को बिल्डिंग से निकाला गया। घायलों को बिल्डिंग से निकालने के लिए लगाई गई सीढ़ी टूट गई।इस पर सिविल डिफेंस ने बिल्डिंग में रस्सा बांध कर घायलों को नीचे उतारा। इसके बाद एंबुलेंस से घायलों को सेफ हाउस निर्मल भवन ले जाया गया। बिल्डिंग में रहने वाले 20 अन्य मामूली तौर से घायल हुए। लोगों को भी निर्मल भवन ले जाया गया। निर्मल भवन से घायलों को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया। डीसी अनन्य मित्तल ने पत्रकारों को बताया कि मॉक ड्रिल सफलता पूर्वक संपन्न कराई गई है।

महारानी मेंशन में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक

बचाव के लिए डेस्क के नीचे छिप गए स्कूली छात्र

एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल शहर के स्कूलों में भी कराई गई। सबसे पहले गोलमुरी स्थित केरला समाजम मॉडल स्कूल में हवाई हमले से बचाव का पूर्वाभ्यास कराया गया, जिसमें छात्रों को बताया गया कि इस तरह के हमले में सबसे पहले सुरक्षित स्थान पर छिपें। बच्चे डेस्क के नीचे छिप गए। सुबह 11 बजे केरला समाजम स्कूल में मॉक ड्रिल हुई। रेल सिविल डिफेंस की टीम भी विभिन्न स्थानों पर पहुंची और मॉक ड्रिल कर लोगों को बताया कि किस तरह हवाई हमले से बचाव करना है। जोजोबेड़ा पावर प्लांट और टाटा पावर प्लांट में भी मॉक ड्रिल कराई गई है।

रेलवे स्टेशन पर बताए गए बचाव के तरीके

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध को लेकर टाटानगर रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एयर स्ट्राइक मॉक ड्रिल की गई। रेलवे के सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार के नेतृत्व में हुई इस मॉक ड्रिल में लोगों को समझाया गया कि अगर दुश्मन हवाई हमला करता है तो उन्हें किस तरह के कदम उठाने होंगे। लोगों को समझाया गया कि जब भी हमले का सायरन बजे तो जमीन पर लेट जाना है। हमले में घायलों को अस्पताल पहुंचाने का भी मॉक ड्रिल किया गया। रेल सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि अक्सर रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थलों पर एयर स्ट्राइक का खतरा अधिक होता है। इसी वजह से एयर स्ट्राइक मॉक ड्रिल के लिए टाटानगर रेलवे स्टेशन को चुना गया है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन से बाहर निकल कर बाजार में भी एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल की गई है। टाटानगर रेल सिविल डिफेंस के जवानों ने खुद जमीन पर लेट कर बताया कि किस तरह से एयर स्ट्राइक होने पर खुद का बचाव करना है।

रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने बताई अपनी कार्यप्रणाली

CHAKRADHARPUR : रैपिड एक्शन फोर्स की 106 बटालियन की ओर से बुधवार को चक्रधरपुर के मधुसूदन पब्लिक स्कूल आसनतलिया में जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। इसमें रैफ की कार्यप्रणाली, उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियार, एयर स्ट्राइक के दौरान बचाव, नशामुक्त अभियान तथा बेटी बचाओ बेटी बचाओ संबंधित जानकारी साझा की गई। बटालियन के जमशेदपुर के कमांडेंट गुफरान अहमद ने बताया कि मंगलवार की रात भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया था। उन्होंने विद्यार्थियों को एयर स्ट्राइक में किस तरह अपने आप को बचाना है और जहां रुकना है, उसकी जानकारी दी। एयर स्ट्राइक के दौरान लाइट बंद करने की बात कही। ताकि दुश्मन के रडार से बचा जा सके।की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना तथा उसके कार्य की जानकारी दी गई। प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया कि दंगा के दौरान या संवेदनशील क्षेत्र में कानून व्यवस्था बिगड़ने पर किस तरह रैफ कंट्रोल करता है तथा आंदोलनकारियों से निपटता है।

ताम्रनगरी में हुआ आपात स्थिति से निपटने का अभ्यास

GHATSILA : पिछले दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर देशभर में सुरक्षा अभ्यास तेज कर दिए गये हैं। इसी क्रम में पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित मऊभंडार में ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत युद्ध जैसी आपात स्थिति में लोगों को बचाने और सुरक्षित निकालने को लेकर एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

BRIEF NEWS

सदर अस्पताल के मरीजों से मिले विधायक

KHUNTI : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने सदर में इलाजरत झामुमो मुरहू प्रखंड उपाध्यक्ष अब्राहम मूडु से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने डॉक्टर को बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। साथ खूंटी सदर अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों से भी विधायक मिले और उनका हाल-चाल लिया। विधायक ने सदर अस्पताल के डॉक्टरों को निर्देश दिया कि किन्हीं के इलाज और सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, झामुमो जिला सचिव शुशील पाहन, उपाध्यक्ष सानिका बोदरा, विधायक प्रतिनिधि डिक्शन पूर्ति, राहुल केशरी, संदीप तिड्डू, बिमल पाहन, कमलेश महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

कराटे में स्कूली बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

KHUNTI : ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्टेडियम खेल गांव, रांची में आयोजित द्वितीय ऑल इंडिया सिक्का ए कराटे प्रतियोगिता में लिटिल फ्लावर इंग्लिश मीडियम स्कूल डोड़मा के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। आकृति कच्छप ने एक स्वर्ण और पीतांबर साईं ने सिल्वर एवं अंकित लकड़ा, अंशु लकड़ा तथा नेहा कश्यप ने कांस्य पदक प्राप्त किया। विद्यालय पहुंचने पर बुधवार को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टम दिव्या किंडो ने सभी बच्चों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर विद्यालय के कराटे प्रशिक्षक विजय कुमार, संदीप टोपनो, अमित मुंडू, सुशील आईंद, गुलशन हैरेंज, सिस्टर रेशमा, एग्नसिया, गबरीला, जोसेफ टोपनो, पुलकित होरो, रीता आईंद, दिव्या हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कई इलाकों का किया निरीक्षण

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बुधवार को कई इलाकों का निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये। उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र में निमार्णाधीन न्यू बस स्टैंड, सहयोग विलेज की ओर से संचालित बाल गृह, आशा किरण बालिका गृह, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र और कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कालामाटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र में बन रहे न्यू बस स्टैंड का जायजा लिया। उन्होंने बस पार्किंग, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, लाइट की समुचित व्यवस्था का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने संस्था सहयोग विलेज की ओर से संचालित बालगृह का निरीक्षण किया। संस्था के सचिव अमृत तोपनो ने बताया कि बालगृह में 50 बच्चों के रहने की क्षमता है। वर्तमान में 20 बच्चे आवासित हैं। इनमें 10 बच्चे निकटवर्ती राजकीय विद्यालय चलागी में और तीन बच्चे नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय बिरहू में अध्ययनरत हैं। विशेष देखभाल वाले सात बच्चों के लिए विशेष इकाई संचालित की जा रही है, जिसमें विशेष शिक्षक और नर्स की व्यवस्था है। उपायुक्त ने किचन परिसर का भी निरीक्षण किया और भोजन व्यवस्था की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गुटजोड़ा स्थित आशा किरण बालिका गृह का भी निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी संस्था की सिस्टर से ली और आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने बिरहू ऊपर टोली और बड़का टोली स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जा रहे पोषाहार एवं प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका को मेनू के अनुसार पोषाहार उपलब्ध कराने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं मौके पर उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सीडीपीओ को भी आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कालामाटी का दौरा किया और जेई एडवांस परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण टिप्स दिये।

खूंटी की डीईओ पर 88 लाख रुपये की अवैध निकासी का लगा आरोप

डीसी लोकेश मिश्रा के निर्देश पर डीडीसी के नेतृत्व में गठित टीम ने शुरू की जांच

- समाजसेवी दिलीप मिश्रा ने उपायुक्त से की थी शिकायत, हो रही पड़ताल

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी की जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अपरूपा पाल चौधरी गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में बुरी तरह फंसती जा रही हैं।

पहले एक मृत शिक्षक के खाते से 54 लाख रुपये की संदिग्ध निकासी का मामला सामने आया था और अब पीएमश्री योजना (प्रधानमंत्री विद्यालय फॉर राइजिंग इंडिया) के तहत 88 लाख रुपये की अवैध निकासी का आरोप भी उन पर लगा है, जिसके बाद जांच शुरू हो गई है।

आरोपी जिला शिक्षा अधिकारी अपरूपा पाल चौधरी ● फोटोन न्यूज

पूरे झारखंड में अनियमितता का आरोप

दिलीप मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि खूंटी ही नहीं, बल्कि लगभग पूरे झारखंड राज्य में पीएम श्री योजना के क्रियान्वयन में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं और योजना की धनराशि का व्यापक बंदरबांट हुआ है। फिलहाल शिकायत के बाद केवल खूंटी जिले में ही जांच प्रक्रिया शुरू हुई है।

मृत शिक्षक के भुगतान का मामला

पीएमश्री योजना में हुई अनियमितता के संबंध में दिलीप मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2024 में रनिया प्रखंड के एक मृत शिक्षक को आश्चर्यजनक रूप से 54 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया था। इस गंभीर मामले के बाद अब पीएमश्री योजना में भारी वित्तीय अनियमितता का यह नया मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीएम श्री योजना में बड़े घोटाले की आशंका

समाजसेवी दिलीप मिश्रा की शिकायत पर जिला प्रशासन हरकत में आया और उपायुक्त (डीसी) लोकेश मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से उपविकास आयुक्त (डीडीसी) की अध्यक्षता में एक जांच दल गठित कर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता दिलीप मिश्रा ने दावा किया है कि यदि अधिकारी पीएमश्री योजना की ईमानदारी से जांच करते हैं, तो यह पशुपालन घोटाले से भी बड़ा घोटाला साबित हो सकता है।

अंधविश्वास में धारदार हथियार से जख्मी अधेड़ की हो गई मौत

PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के खरवारडीह टोला में अंधविश्वास की वजह से एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। ढाब गांव के रहने वाले 53 वर्षीय कर्मदेव यादव को तंत्र-मंत्र का आरोप लगाकर गोतिया परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। मृतक के छोटे भाई राजेंद्र यादव ने बुधवार को बताया कि पांच मई को गोतिया परिवार के शिवराज यादव, देवराज यादव, धनराज यादव, मनराज यादव और चंदेव यादव उनके घर आए। आरोपितों का कहना था कि कर्मदेव यादव ने तंत्र-मंत्र करके उनके भांजे की जान ले ली है। इसके बाद सभी आरोपितों ने मिलकर कर्मदेव यादव पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कर्मदेव को परिजन पहले मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया। रिम्स में इलाज के दौरान मंगलवार की देर रात कर्मदेव की मौत हो गई। परिजन शव को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले आए। अस्पताल पुलिस चौकी के एएसआई सुशीला टीयू और पुलिस जवान महेंद्र कुमार एवं विकास कुमार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और शव का पोस्टमार्टम कराया।

रिटायर्ड प्रोफेसर के आवास से लाखों के गहने हुए चोरी

KODERMA : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 18 स्थित एक रिटायर्ड प्रोफेसर के आवास में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इसमें नगदी के साथ-साथ लाखों के जेवर चुरा लिए गए हैं। मामले को लेकर गृहस्वामी जुगल किशोर प्रसाद ने बताया कि घर पर सिर्फ वे और उनकी पत्नी रहती हैं। वे दोनों हर दिन की तरह रात में खाना खाने के बाद घर के सभी कमरों के दरवाजों को बंद कर अपने बेडरूम में सोने के लिए चले गए। बुधवार की सुबह करीब 4 बजे जब वे उठे और अपने कमरे से बाहर आकर बगल का कमरा खोला तो देखा कि कमरे में लगा खिड़की टूटा हुआ है और कमरे के अंदर रखा सारा सामान बिखरा पड़ा है, अलमारी का दरवाजा और लॉकर भी टूटा हुआ है। जब उन्होंने तहकीकात की तो पाया कि अलमारी में रखे सारे जेवर और नगद रुपये गायब हैं। उन्होंने इसकी सूचना घर में रह रहे किरायेदारों एवं आस पड़ोस के लोगों को दी। मामले की सूचना तिलैया पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि उनके अलमारी में रखे एक जोड़ी हीरे की अंगूठी, सोने के चेन, सोने का कंगन, नेकलेस सहित 75 हजार रुपए नगद चोरी हुए हैं।

अलमारी के बिखरे सामान

यह समय एकजुट होकर रहने का : रघुवर दास

JAMSHEDPUR : पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि पहलगाम में धर्म के आधार पर की गई क्रूर हत्याओं का जवाब देते हुए हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के अड्डों को नेस्तनाबूद कर दिया। रात डेढ़ बजे शुरू हुए इस अभियान में दर्जनों आतंकवादी मारे गए। भारतीय सेना ने बार-बार पाकिस्तान के कायराना हमलों का जवाब अपने शौर्य और पराक्रम से दिया है। इस बार भी हमारे जवानों ने अपने अदम्य साहस और कौशल का परिचय दिया। हमें अपनी सेना पर गर्व है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का है। हमें अपने जवानों का मनोबल बढ़ाना है, जो सीमा पर देश की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। यह समय देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुट होने का है।

पलामू में लेवी वसूलने आए माओवादी को हथियार समेत किया गया गिरफ्तार

AGENCY PALAMU : पलामू पुलिस ने हुसैनाबाद थाना क्षेत्र से एक माओवादी को हथियार और नक्सली पर्चे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मंगलवार रात सूचना मिली कि बसडीहा स्थित ईंट भट्ठा के पास एक व्यक्ति लेवी वसूली के लिए आने वाला है। वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देकर थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी पुलिस बल के साथ कमल ईंट भट्ठा पहुंचे। पहले से वहां एक व्यक्ति मौजूद था। पुलिस को देखकर संदिग्ध स्थिति में भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के कुरदाग गांव निवासी उपेन्द्र कुमार यादव (35) के रूप में हुई है। तलाशी में उसके पास से एक देशी कट्टा, एक गोली और भाकपा माओवादी के नाम से लिखे दो पर्चे मिले। एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। पूछताछ में उपेन्द्र ने बताया कि वह भाकपा माओवादी संगठन के रीजनल कमांडर नितेश यादव के निर्देश पर ईंट भट्ठे पर लेवी वसूली करने आया था। हथियार और पर्चे भी नितेश यादव ने ही उपलब्ध कराए थे। पर्चा चिपकाकर इलाके में दहशत फैलाना था। पुलिस जब्त मोबाइल फोन को खंगाल रही है। बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

डिमना चौक स्थित एमजीएम कॉलेज के नए भवन में गायनिक ओपीडी शुरू

PHOTON NEWS JSR : एमजीएम अस्पताल का गायनिक ओपीड़ी अब पूरी तरह से डिमना चौक स्थित नए भवन में शुरू हो गया है। बुधवार को लगभग 80 महिला मरीजों को स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम ने देखा। इसके साथ ही नए अस्पताल भवन में गायनिक इनडोर सेवा शुरू करने के लिए जरुरी संसाधन को भी साकची स्थित एमजीएम अस्पताल से ड़िमना भेजा जा रहा है। इसमें बेड, उपकरण और इलाज की जरुरी वस्तुएं शामिल हैं। इसके साथ ही साकची स्थित अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर के उपकरणों-सामग्री को भी नए अस्पताल में भेजा गया है, ताकि वहां सिजेरियन और नॉर्मल प्रसव की सुविधा जल्द शुरू की जा सके। गायनिक विभाग की इनडोर सेवा शुरू होने में अभी 10 दिन का समय लग सकता है।

गायनिक इनडोर सेवा नए अस्पताल में शुरू करने के लिए लॉन्ड्री की सुविधा, किचन की सुविधा, ब्लड बैंक जैसे कई सुविधाओं तैयार करनी होगी। इसकी प्रक्रिया चल रही है।

अस्पताल प्रशासन ने फिलहाल साकची स्थित भवन में ही इनडोर सेवा बहाल रखी है। वहीं बुधवार शाम से ओटी की सुविधा भी बहाल कर दी गई, इससे अब सर्जरी ओटी के बगल में ही गायनिक ओटी चल रहा है। अब एमजीएम अस्पताल आने वाले मरीजो को सदर अस्पताल और रिम्स नहीं भेजना होगा।

तैयार हो रहा ऑपरेशन थियेटर ● फोटोन न्यूज

सेना के पराक्रम पर लोहरदगा में हर तरफ उत्साह का माहौल

LOHARDAGA : पाकिस्तान के आतंकी संगठन के अड्डे को तबाह करने के बाद भारत के लोगों में सेना के शौर्य को लेकर काफी खुशी देखी जा रही है। जैसे ही लोहरदगा वासियों को भारतीय सेना की कार्रवाई की जानकारी मिली कि पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया है लोगों में खुशी का ठिकाना ना रहा। लोग यह कहते दिखे की पाकिस्तान का नापाक इरादे को भारत ने ध्वस्त कर दिया। पहलगाम की घटना से जो हिंदुस्तानियों में आक्रोश था उसे केंद्र की मोदी सरकार ने घटना के 14 वे दिन बाद बदला ले लिया। लोग भारत की इस कार्रवाई की तारीफ करते हुए खुशियां मना रहे हैं। लोगों में भारतीय सेना के प्रति उत्साह और विश्वास देखा जा रहा है। लोग जगह जगह मिठाइयां बांट कर खुशियां मना रहे हैं।

भगवान राम व कृष्ण के जीवन से जीने की कला सीखें : धीरेंद्र शास्त्री

कथा सुनते श्रद्धालु व देवताओं के वेश में सजे कलाकार ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हमें भगवान श्री राम और श्रीकृष्ण के जीवन से जीने की कला सीखनी चाहिए। भगवान श्रीराम ने जिस प्रकार अपने कर्तव्य निभाया, पिता से, पुत्र, से भाई के प्रति जैसा दायित्व निभाया वैसा ही दायित्व हमें निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्णा ने जो कहा है, उसे अपने जीवन में उतारें और उनकी वाणी और गीता के अनुसार जीवन जीएं। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बुधवार को खूंटी के प्रसिद्ध व्यवसायी ओमप्रकाश भला के आवास पर चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को व्यास पीठ से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान श्रीहरि के वामन अवतार, राम अवतार, कृष्ण अवतार का वर्णन किया। संगीतमय प्रवचन के दौरान भक्त झूमने लगे। मौके पर श्रीराम जन्मोत्सव और कृष्णा जन्मोत्सव की झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में यजमान के रूप में ओम प्रकाश भाला, उनके अनुज जय भाला श्रीभाला सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिले विधायक सरयू राय, औद्योगिक नगर समिति के बारे में हुई विस्तृत चर्चा

गवर्नर ने दिया आश्वासन, आवश्यक कदम उठाएंगे

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने मंगलवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल से जमशेदपुर औद्योगिक नगर समिति के बारे में विस्तार से बातचीत की। राय ने उन्हें स्मरण दिलाया कि दिसंबर-2023 में उन्होंने इस विषय पर तत्कालीन राज्यपाल के समक्ष एक स्मार-पत्र दिया था, जिस पर राजभवन ने संज्ञान लेकर राज्य के मुख्य सचिव को इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

राज्यपाल के प्रधान सचिव ने बताया कि इस विषय में मुख्य सचिव स्तर से राजभवन को कोई सूचना नहीं दी गई है। राय ने राज्यपाल को सूचित किया कि जमशेदपुर औद्योगिक नगर समिति का गठन करने में जनहित का ख्याल नहीं रखा गया है और नगरपालिका की मूल भावनाओं को भी नजरअंदाज किया गया है, जबकि औद्योगिक नगर समिति नगरपालिका के बदले में गठित होती है। इसमें जनता के प्रतिनिधियों (निर्वाचित या मनोनीत) को कोई स्थान नहीं दिया गया है, जबकि नगरपालिका का गठन ही स्थानीय स्वशासन के लिए होता है।

सरयू राय ने राज्यपाल को बताया कि इस समिति में सरकार एवं टाटा स्टील के प्रतिनिधियों को स्थान दिया गया है। यह स्थानीय स्वशासन के विरूद्ध है। इस समिति में करीब आधी संख्या टाटा स्टील के प्रतिनिधियों की है। 1973 में संविधान का 74वां संशोधन होने के बाद संविधान के अनुच्छेद 243 (क्यू) में अपवाद स्वरूप एक प्रावधान किया गया है कि जहां कोई सरकार या निजी उद्योग प्रतिष्ठान जनसुविधाएं दे रहा है अथवा देने के लिए तैयार है, वहां सरकार चाहे तो नगरपालिका का गठन नहीं भी कर सकती है और वहां औद्योगिक नगर समिति बना सकती है। इसके तहत देशभर में करीब आधा दर्जन छोटी-बड़ी औद्योगिक नगर समितियां गठित हुई हैं, जिनमें सेवा प्रदाता के अतिरिक्त उद्योगों, सामाजिक संगठनों एवं सरकार के प्रतिनिधियों को नामित किया गया है।

किसी भी सरकार के किसी मंत्री को समिति का अध्यक्ष नहीं बनाया गया है, परंतु जमशेदपुर औद्योगिक नगर समिति में स्थानीय मंत्री अथवा प्रभारी मंत्री, झारखंड सरकार को अध्यक्ष बनाया गया है तथा सदस्य के रूप में आधा दर्जन से अधिक संख्या में सेवा प्रदाता संस्थान को नामित किया गया है। जनहित में इस पर पुनर्विचार आवश्यक प्रतीत होता है। राय ने राज्यपाल से कहा कि आपके स्तर से सरकार को इस आशय का निर्देश दिया जाए। राय ने झारखंड के राज्यपाल से कहा कि फिलहाल जमशेदपुर को औद्योगिक नगर समिति के गठन में जनसुविधाएं प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं के प्रतिनिधियों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। साथ ही एक शिकायत कोषांग का गठन होना चाहिए, ताकि वहां कोई भी व्यक्ति जनसुविधा संबंधी अपनी शिकायत रख सके।

राज्यपाल ने सरयू राय को आश्वस्त किया कि वे इस विषय में आवश्यक कदम उठाएंगे ताकि औद्योगिक नगर समिति संविधान के प्रावधान के अनुरूप कार्य करे और औद्योगिक नगर समिति की अधिसूचना में सरकार द्वारा आवश्यक संशोधन किया जाए। इसके साथ ही औद्योगिक नगर समिति को स्थानीय स्वशासन की भावना के अनुरूप बनाया जाए।

राज्यपाल को पुस्तक भेंट करते विधायक सरयू राय ● फोटोन न्यूज

डालसा के सचिव ने देखा झींकपानी के वृद्धाश्रम का हाल, बिताया समय

PHOTON NEWS CHAIBASA : झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने झींकपानी स्थित संचार वृद्धा आश्रम का दौरा किया, इस दौरान उन्होंने वहां आवासित 25 वृद्धजनों से उनका हाल-चाल पूछा। उनके साथ समय बिताया। वे उन्हें अपने बीच पाकर बहुत खुश थे। इस दौरान उनके साथ प्राधिकार के सदस्य विकास दोदराजका भी थे। उन्होंने बुजुर्गों को मिठाई भी खिलाई और उनकी समस्याओं को जल्दी दूर करने का आश्वासन दिया। अपने संबोधन में सचिव ने कहा कि बुजुर्ग हमारे बहुमूल्य मार्गदर्शक होते हैं। इनकी प्रेरणा से हम जीवन में कई कठिनाइयों से पार पाते हैं। इनके अनुभव हमें जीवन जीने की राह दिखाते हैं। अतः हमें अपने बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने सभी वृद्ध जनों को आने वाले दिनों के लिए शुभकामना दी और यहां निरंतर आते रहने का आश्वासन भी दिया।

बुजुर्गों को मिठाई देते डालसा के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की

किशन सनमुखदास भावनानीं

अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने

पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आर्तकियों को दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम के आतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएग।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

संपादकीय

मॉक ड्रिल का संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाब में कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकार ने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमले को शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश के नागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाब देना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं के बाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर भारी दबाव है कि माकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबी कार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कई राज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिल आपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं को परखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्ण युद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्ध की रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी जो राष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है। निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया जाएगा।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है।

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नृपेंद्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून-अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। कैलाश मानसरोवर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्त्व अत्यधिक है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्त्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पांच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियां अब भी खुली हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों से 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं', वहां की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था। आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है, और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है।

रणनीतिक दृष्टि से भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहां अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' समूह का सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। हालांकि भविष्य की राह सरल नहीं है।

भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए प्रतीकात्मक पहल पर्याप्त नहीं होंगी। पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। दोनों देशों को समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। सहयोग का

रास्ता दोनों के हित में है। भारत के लिए आवश्यक है कि अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी समझना महत्त्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरू आत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

No 'free hand' is given to army

Nearly two weeks have passed and there is no scent of Pahalgam terrorists; it marks the first time terrorist have probably escaped and evidence to nail Pakistan may not be forthcoming. As surprise is lost, India's inevitable military response becomes problematic. Political rhetoric and veterans have hyped expectations about the intensity of retribution. Modi's grant of strategic autonomy to the armed forces to design and deliver punitive action is misleading. There is no such thing as 'free hand' and 'full operational freedom' given to the military. While optics is impressive, the onus of consequences lies mainly with the military.RSS chief Mohan Bhagwat also met Modi immediately after his meeting with the service chiefs. It brought back Bhagwat's statement in 2018 after troops involved in a massive terrorist hunt in J&K had not succeeded in the operation: "Preparing an Army takes six to eight months while the RSS can raise a force within two to three days." The statement was withdrawn. Free hand and full operational freedom for retribution are within the limits of escalation.Civilian control over the military is one of the major successes of India's democracy. Military response after 1947 in most cases was based on political guidance. Military objectives were shaped within political parameters. India's statement on national interest has led to security and defence strategies. The armed forces are given the Raksha Mantri's operational directive, which is periodically updated. The last known directives were issued in 2013 and 2021.Frequently, political directives are given verbally and may be confirmed in writing. A commander's dream is a clear mission, adequate resources and no political interference.The Cabinet Committee on Security lays down the terms of reference for military actions. The COAS has been the 'lead service chief' during conventional wars. The escalation of wars in J&K, 1965 in particular, and their cessation were outcomes of PM-COAS consultations. Decision-making during the 1971 war is a classic study of meshing political urgency with operational readiness. The Kargil skirmish ushered in the era of sub-conventional war fought under a nuclear overhang. Operation Parakram, the response to attacks against Parliament and Kaluchak cantt in 2001-02, is the best guide to shaping the government's package of political, economic, diplomatic and kinetic responses.In Kargil, the military was tasked to vacate Pakistan's aggression of multiple intrusions across LoC. The term of reference that "LoC will not be crossed" came from the government as an afterthought. Like now, there was no timeline for the operation. The restriction was imposed due to nuclear signalling by Pakistan. In Parakram, when air strikes against terrorist camps in PoK and Pakistan were considered, PM AB Vajpayee told the service chiefs: "Pervez Musharraf to paagal hai. Woh yuddh kar sakta hai." The international focus shifted from stopping cross-border terrorism to a nuclear exchange. Nuclear fear has become the key deterrent to any kinetic response.India's first overt kinetic response to a terrorist assault was ordered in 2016 by Modi after the Uri attack. Special forces struck across LoC at eight places 5-9 km deep. Modi had told the Army Chief, Gen Dalbir Suhag, there were to be no casualties to own troops and evidence that targets had been struck be brought back. In building a bold and punitive response to the Pulwama attack, the IAF had told the government that Pakistan's counter-air offensive and escalation were unlikely. After the mission, IAF announced that its target was only the terrorist camp at Balakot, not the Pakistani state. This was done to ensure that there would be no escalation. Pakistan's surprise response was similarly measured; which is another story.The strategic fallout of the air offensive was the establishment of deterrence, which was disrupted by the Pahalgam carnage. Deterrence erosion was the result of lack of military capability enhancement.

The contours & context of caste

Modi govt's climbdown partly aimed at dispelling the impression that it is pro-rich

CASTE is back in the spotlight. The Centre has decided to include caste enumeration in the much-delayed Census. So far, the caste count has been limited to members of Scheduled Castes (SCs) and Scheduled Tribes (STs). Every state has a separate list of caste groups included in the SC category, and their enumeration is done as part of the Census. It not only counts their demographics but also the individual jaatis (or, tribes, in case of STs) and the occupational or socio-economic profile of their members. The obvious reason for doing so is to help the state fine-tune its policies, such as caste-based reservation, that are oriented towards their welfare.Interestingly, though the listing of SCs and the policies targeting their uplift were enshrined in the Constitution at the time of its adoption, caste was not viewed as a relevant variable in development planning by the Nehruvian state. The mainstream national leadership saw caste primarily as a cultural hangover.Moving on the path of development and modernisation was supposed to be the best palliative. The increasing opportunities for social and economic mobility, expected to be made available by industrialisation and the modern service economy, along with a steady decline in traditional agrarian and caste-based occupations, were expected to usher in a society organised around a 'modern ethos'.

Individual merit and skill acquired through formal education were to help Indians overlook their caste. As was widely believed, asking questions about castes and their compilation into demographic blocks would have only worked to keep their 'outdated' identities alive, which was the underlying assumption for not including them in the Census. Such an argument was also supported by the experiences of colonial administrators who had enumerated caste from 1881 to 1931 and decided not to do it later for operational reasons.More important was the dominant opinion and perspective of the first generation of India's modernist ruling class. Beyond the Nehruvian elite, such a view was also shared by those on the Left and Right of India's political spectrum. For the leftists, caste represented a pre-modern conservative mindset that divided the working class. The right-wingers' Hindutva politics saw caste as a hindrance to the formation of a united Hindu national identity. Even when the Hindutva ideologues continued to espouse Manu's ideological dictum of chatur-varna, they did not want caste to come in their way as a politically mobilised identity.However, caste turned out to be much more tenacious than expected. It emerged as a potent platform for the articulation of political aspirations of those who did not find space in the English-educated elite circles. The post-colonial elite was not merely a social class made up of people representing different segments of society. In caste terms, they mostly came from a narrow set of non-agrarian 'upper' castes. The narrative of merit suited them well.However, political democracy works on the basis of numbers. As democracy percolated down to the hinterland, its social dynamics began to change. The agrarian rich from the regionally dominant castes were the first to mobilise their communities for electoral politics. It soon went further down, to the 'backwards' and the 'Dalits'. By the 1980s, 'social justice' emerged as the new political idiom. While the regionally dominant and 'backwards' could gain access to political power through the electoral process, their representation in government jobs and institutions of higher education remained marginal.The introduction of quotas for Other Backward Classes (OBCs), as proposed by the Mandal Commission, marked the beginning of a new caste-centric phase in Indian politics in the 1990s. Caste was no longer merely about a traditional and conservative mindset. For those on the margins of society, it was also an indicator of their social exclusion, development deficit and discrimination. Caste began to be seen through the prism of citizens' rights.Such recognition of caste being a source of deficit and denial was not enough. Once accepted as a development variable, how could the state frame meaningful policies without the availability of data? How many of them are there? What is the nature of their deprivations? How do their deprivations vary across jaatis and regions? How have they changed over time? Such questions also came up in courts during disputes about policies and claims.

The rise of Hindutva politics during the second decade of the current century was seen as a defeat of the politics of 'social justice' unleashed by the 'Mandal moment'. With the BJP in power, Hindu consolidation took over, and caste-centric political parties such as the Samajwadi Party and the Bahujan Samaj Party saw a significant decline.

However, the notion of caste as a system of inequality and exclusion persists. The growing politicisation of the OBCs and other socially excluded categories, even among those who subscribe to Hindutva politics, has also sharpened their awareness about their marginality in an economy guided by neo-liberal policies.

It is in this context that Congress leader Rahul Gandhi has managed to bring the caste count to the centre stage. Through the demand for a caste census, he has attacked the ruling party for its apparently pro-corporate and pro-rich economic policies. Clearly, the decision to include the 'caste variable' in the Census is aimed at blunting Rahul's criticism of the Modi government. The forthcoming Assembly elections in Bihar, where the findings of a caste survey were released in 2023, have also acted as a catalyst.

Rice breakthrough

New varieties promise 40% water saving

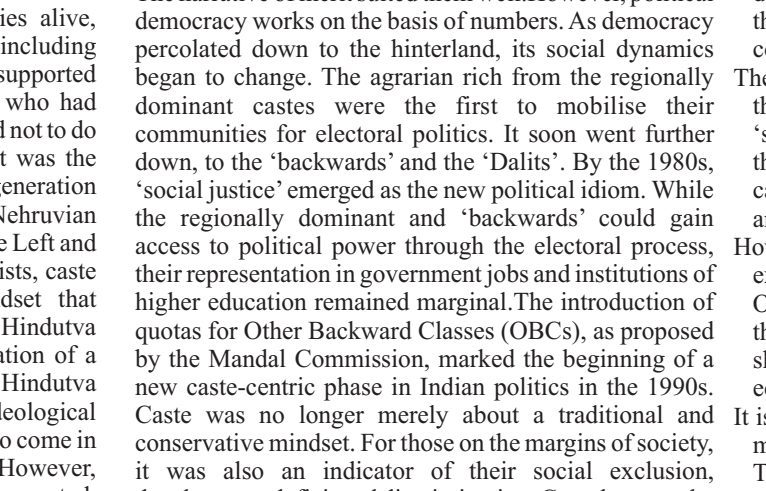

INDIA has taken a bold leap into the future of agriculture with the announcement of the world's first genome-edited rice varieties using 21st-century CRISPR technology. Developed by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), these rice strains promise higher yields, reduced water requirements and climate resilience. They come without the baggage of traditional genetically modified organisms (GMOs). The significance lies not just in the science but also in the strategy. Genome editing, unlike transgenic modification, does not introduce foreign DNA into the plant. This distinction allowed India to classify these crops outside the regulatory framework of GMOs, easing public resistance and expediting approval.

The rice varieties — Improved Pusa Basmati 1121 and Improved Pusa Basmati 1509 — are expected to deliver 20-30 per cent higher yields while reducing water consumption by over 40 per cent. In a country where agriculture is deeply dependent on monsoons and where groundwater depletion is critical, this innovation is a much-needed intervention. What's more, India's move aligns with global trends. The US, Japan and Australia already have progressive frameworks for genome-edited crops. By embracing this technology early, India positions itself as both an agricultural innovator and a contributor to global food security.

However, success depends on transparent communication, rigorous testing and farmer sensitisation. Public trust can easily be eroded by misconceptions or hasty implementation. The benefits of science must reach the fields not only with regulatory ease but also ethical responsibility. This development rekindles memories of the Green Revolution, when innovation transformed India from a food-deficient nation to a food surplus one. If handled wisely, genome editing could spark a similar transformation — ushering in a new era of sustainable, climate-smart agriculture.

Pak leadership seems uneasy

Pakistan is seeking ways to gather support from its allies to de-escalate the crisis.

EVEN after struggling with the intense blowback of its use of terror as a foreign policy tool and being on the brink of economic default, Pakistan's thinking has not altered. While India has covered an astounding journey in terms of its strategic, financial and diplomatic growth, Pakistan has failed to overcome the challenge of its identity crisis post 1947. It continues to thrive on its hostility with India. The Pakistan military has led the national discourse, and till today, it seeks its identity in its strategic posturing vis-à-vis India and relies on the Kashmir issue for its survival.Tensions between India and Pakistan have escalated after the April 22 killing of Hindu tourists in Pahalgam, claimed by the Pakistan-linked terrorist outfit The Resistance Front (and later disowned). The attack has led to widespread anger in India. In Pakistan, there is apparent anxiety and there are melodramatic chest-thumping statements by its civilian and military leadership, trying to build a narrative of a false flag operation by New Delhi and project Pakistan's military readiness to counter India's potential kinetic moves. Pakistan is seeking ways to gather support from its allies to de-escalate the crisis.Post Pahalgam, Pakistan estimated a manageable Indian military retaliation. But India's punitive actions, specifically the Indus Waters Treaty abeyance, are a body blow to it as it thrives on agriculture. Islamabad also appears to be prepared for India's aggressive position in terms of holding Pakistan accountable for terrorism at the international level. It did use its position as a non-permanent member and brotherhood with China to tone down the April 25 UNSC statement condemning the Pahalgam attack.Pakistan's political stability has been challenged by the popularity of Imran Khan, who has blamed the military for being corrupt and responsible for Pakistan's woes. There has been polarisation in society; a high debt burden suffocates the economy, which remains dependent on external aid; the security situation remains challenging, with the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) attacking security personnel; and the Baloch resentment and Pashtun nationalism have been more pronounced than ever. For the first time, its military's image has been tarnished by Imran Khan's posture and popularity. Second, for decades, the military has projected itself as the sole guarantor of the nation's territorial and ideological boundaries, but it has been unable to control attacks on it by the TTP and Baloch separatists. Third, Pakistan has been wriggling with the loss of its strategic relevance after the US' exit from Afghanistan.The Pahalgam attack is a desperate attempt by Pakistan's military to regain its strategic relevance, internationalise Kashmir, find a distraction for its people from grievances and instigate communal dissonance in India. However, the leadership appears to be uneasy post attack. Pakistan cannot afford an external war while fighting the resentment in Balochistan and Khyber Pakhtunkhwa. Its relationship with Afghanistan has been strained and the repatriation of Afghan refugees and frequent skirmishes on the border have kept it unstable. Reports suggest that Nawaz Sharif has advised PM Shehbaz Sharif to use diplomacy over conflict. It looks like Pakistan's efforts would aim to attract international attention and intervention to deter India.How do we see Pakistan's evolving response to the crisis?

1) At the domestic level, the effort is to assure the people that the military will guard the nation's sovereignty against hegemonic India's potential military moves. The rhetoric challenging India's decision on the Indus Waters Treaty is likely to continue.
2) Pakistan has talked about nuclear weapons in both countries. It is likely to escalate the threat of nuclear weapons and it will highlight the projection of a low nuclear threshold to attract global attention. The objective of Pakistan's nukes has been to avoid a conventional war against India and, thus, it has persistently relied on a projection of ambiguity. It has maintained a First Use Nuclear Doctrine and has been confident of achieving a Full Spectrum Deterrence in recent years.
3) At the international level, Pakistan would try to gain leverage by highlighting the threat of regional instability.4) Pakistan will rely on its bonhomie with Turkey and bond with Beijing to deal with the crisis. Both these countries have expressed support for Pakistan and urged for de-escalation of tensions.

PwC to cut 1,500 jobs in the US: Report

New Delhi. PricewaterhouseCoopers (PwC), one of the world's top accounting firms, is planning to let go of about 1,500 staff in the United States, reported Reuters.

The company said this decision affects around 2% of its US workforce, said the company spokesperson. Currently, PwC employs more than 75,000 people across the country.In a statement, PwC admitted that it wasn't an easy move. "This was a difficult decision, and we made it with care, thoughtfulness, and a deep awareness of its impact on our people, appreciating that historically low levels of attrition over consecutive years have made it necessary to take this step", it said in a statement, mentioned the report.The company explained that the layoffs became necessary because very few people had been leaving the firm on their own in recent years.

Last year, PwC was in the news for possibly cutting half of its auditing staff in China's financial services sector. At the time, the firm was facing pressure due to a government probe and a drop in the number of clients.Recently, PwC also closed its offices in nine countries across Sub-Saharan Africa as part of a larger business review.It must be mentioned that PwC is part of the 'Big Four' accounting firms, along with KPMG, Deloitte, and EY.In a similar move, KPMG cut about 330 audit jobs in the US last November, which was nearly 4% of its audit staff there.These recent job cuts show that even the biggest names in accounting are making tough choices in today's changing business world.

Operation Sindoor: Equity markets react to geopolitical developments and corporate actions

CHENNAI. India's equity markets opened amid heightened geopolitical tensions and mixed corporate cues, reacting sharply to a series of unfolding developments. Markets had been tense in anticipation of India's response to the Pahalgam terror attack, and early Wednesday brought a decisive military retaliation. Under 'Operation Sindoor', the Indian Armed Forces conducted precision missile strikes on nine terrorist sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK), which is expected to have a ripple effect on investor sentiment through the week.

While the Nifty index declined by nearly 100 points yesterday, reflecting investor caution ahead of the anticipated military response, the broader markets on Wednesday showed more volatility, driven in large part by the responding to the new geopolitical situations, and also to a great extent reactions to quarterly earnings.PSU Banks remain under pressure, with a sharp sell-off noted after Bank of Baroda's quarterly results.

The market wiped off nearly ?60,000 crore in market capitalization from PSU banks on Tuesday alone, underscoring the nervousness in the financial sector.

In contrast, Tata Motors' shares surged over 4% on Wednesday following shareholder approval for the long-awaited demerger of its commercial vehicle division.The move, aimed at unlocking value and improving business focus, will result in two separately listed entities, which has been well-received by the markets.With the progress on the UK-India Free Trade Agreement, attention is turning to textile, apparel, and AlcoBev companies, which are likely to benefit from improved export opportunities and lower trade barriers.

PSU Banks remain under pressure, with a sharp sell-off noted after Bank of Baroda's quarterly results.

The market wiped off nearly ?60,000 crore in market capitalization from PSU banks on Tuesday alone, underscoring the nervousness in the financial sector.

In contrast, Tata Motors' shares surged over 4% on Wednesday following shareholder approval for the long-awaited demerger of its commercial vehicle division.

Rupee vs USD: Indian currency falls 31 paise to 84.66 against US dollar

Mumbai. The rupee depreciated 31 paise to 84.66 against the US dollar in early trade on Wednesday, after India's military strikes against terrorist camps in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir increased cross-border tensions.Indian armed forces on early Wednesday carried out missile strikes on nine terror targets in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir including the Jaish-e-Mohammad stronghold of Bahawalpur and Lashkar-e-Taiba's base in Muridke.The military strikes were conducted under Operation Sindoor two weeks after the Pahalgam attack that killed 26 civilians.

Forex traders said the military strikes against terrorist camps in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir bring the focus on the escalation of conflict onto the rupee.At the interbank foreign exchange, the domestic unit opened at 84.65 and fell to 84.66 against the greenback, registering a loss of 31 paise over its previous close.

On Tuesday, the rupee settled for the day 5 paise lower at 84.35 against the US dollar amid growing uncertainty and a cautious recalibration of risk appetite."There could be some dollar buying by speculators and panicky importers but we think the Reserve Bank of India (RBI) will be present to stop any major slide of the rupee," Anil Kumar Bhansali, Head of Treasury and Executive Director Finrex Treasury Advisors LLP said.Bhansali further said, "We expect there could be some selling by FII in the equity markets though that could be subdued as they would want to wait for further news of escalation to filter down.Markets today are likely to be nervous and a bit volatile, but as we said earlier, it would depend on RBI to control the market volatility and they will determine where the rupee ends today." Meanwhile, the dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, was trading higher by 0.30 per cent at 99.53.

Scotch whisky prices set to drop after India-UK trade deal. Details here

The reduction is expected to bring premium and mid-range Scotch whiskies within reach of a larger section of Indian consumers. A bottle that typically costs Rs 5,000 could soon be priced between Rs 3,500 and Rs 4,000 following the initial tariff cut.

New Delhi. Scotch whisky lovers in India are about to get a pleasant surprise, as the Indian government has agreed to reduce the hefty import tariffs on the popular liquor. As part of the recently concluded India–UK Free Trade Agreement (FTA), the current 150% import duty on Scotch whisky will be slashed. Once the deal takes effect, the tariff will decrease to 75% and is expected to gradually fall to 40% over the next decade.The reduction is expected to bring premium and mid-range Scotch whiskies within reach of a larger section of Indian consumers. A bottle that typically costs Rs 5,000 could soon be priced between Rs 3,500 and Rs 4,000 following the initial tariff cut, and may drop even further as the tariff continues to decline, depending on local taxes and distributor margins.

Mark Kent, the Chief Executive of the Scotch Whisky Association, described the FTA as a "once in a generation deal." He added, "The reduction of the current 150% tariff on Scotch whisky will be transformational for the industry and has the potential to increase Scotch whisky exports to India by 1 billion over the next five years, creating 1,200 jobs across the UK."The tariff reduction doesn't just promise lower prices; it also opens up the Indian market to a wider variety of Scotch brands, especially smaller, boutique distilleries that may not have previously had the resources to penetrate the market. With this change, consumers can expect an influx of new options, better quality, and possibly more promotional offerings, as UK-based brands aim to compete with local Indian whiskies.

Prime Ministers Narendra Modi of India and Keir Starmer of the UK jointly announced the FTA, which reflects a broader trade strategy aimed at doubling bilateral trade to $100 billion by 2030. UK officials estimate that reductions in Indian tariffs on British products—including whisky, cars, cosmetics, and medical devices—will save 400 million in the first year, with the figure expected to rise to 900 million over the next decade.

British officials see the whisky tariff reduction as just one of many "wins" for the UK in a deal they believe will deliver substantial economic benefits and job growth year after year.

Pakistan's Karachi Stock Exchange crashes nearly 6% after 'Operation Sindoor'

New Delhi. Pakistan's benchmark stock index cratered nearly 6% on Wednesday, rattled by India's overnight military strikes on terror sites under "Operation Sindoor."The Karachi Stock Exchange 100 index (KSE-100) plunged 6,272 points in early trade, sliding to 107,296.64 — a sharp drop from Tuesday's close of 113,568.51.The sharp sell-off came after India confirmed it had carried out precision strikes on nine terror-linked targets across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir in retaliation for the deadly April 22 Pahalgam attack.The Indian armed forces jointly executed the cross-border strikes at 1:44 AM on Wednesday, destroying what were described as terror infrastructure hubs used to plot the recent assault.While Pakistan's markets bore the brunt of investor anxiety, Indian equities shrugged off early jitters. The BSE Sensex opened lower but quickly recovered, with both the Sensex and Nifty turning positive by mid-morning. Analysts attribute the resilience to strong macro fundamentals and foreign investor confidence."What's key here is that the operation was focused and non-escalatory," said Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit

Financial Services. "Markets had already priced in a measured Indian response."Foreign institutional investors (FIIs) have poured Rs 43,940 crore into Indian equities over the last 14 sessions, offering a cushion against geopolitical shocks. Much of this flow has rotated into large-cap stocks, driven by India's relative economic strength and weakness in US and Chinese growth data."FII inflows are clearly the anchor," Vijayakumar noted. "They are focusing on India's macro stability, favourable currency dynamics, and largecap value."

While markets bounced back, traders remain wary of further escalation or diplomatic fallout. Analysts also point to global factors like rising trade tensions and the US Federal Reserve's upcoming policy decision later today as potential volatility triggers.

"Nifty remains choppy with crucial support at 24,171," said Prashanth Tapse of Mehta Equities. "We could see profit-taking near 24,500–24,550 unless clarity emerges on the global and geopolitical fronts."

Back in Pakistan, the steep correction in the KSE-100 reflects a broader crisis of investor confidence. Since the Pahalgam attack, the index has lost 3.7%, while Indian indices have gained roughly 1.5% over the same period.

Explained: Why foreign portfolio investors are buying Indian financial stocks

New Delhi. Foreign portfolio investors (FPIs) turned strong buyers of Indian financial stocks in April, marking a sharp reversal in sentiment after months of caution.

Data from the National Securities Depository shows FPIs bought Rs 18,409 crore ($2.18 billion) worth of shares in the sector last month, propelling the Nifty Financial Services index to a 4.1% gain.The second half of April alonesaw $2.71 billion in FPI inflows—the highest-ever for a fortnight, and the third-highest monthly inflow on record for the financial sector. This influx helped foreign investors post their first net buying month in 2025, sending the benchmark Nifty 50 index up 3.5%.Bajaj Broking attributed the buying spree to easing global trade tensions, hopes of a US–India trade agreement, and attractive valuations in Indian equities. The US government's move to pause reciprocal tariffs on April 9 and signals of an imminent bilateral trade deal also lifted sentiment.

Strong quarterly results from India's top private lenders—HDFC Bank and ICICI Bank—further boosted FPI interest, according to analysts. The financial sector's robust earnings stood in contrast to the information technology space, which saw outflows of $1.8 billion as global demand concerns deepened.

Telecom and consumer stocks also attracted foreign interest in April, but most other sectors witnessed outflows.Ambit Capital warned that policy uncertainty due to US tariffs, combined with slowing growth in the US, UK, and EU, could weigh on IT margins and demand through FY2026.

Sensex, Nifty today: Why stock market didn't crash after 'Operation Sindoor'

New Delhi. Benchmark stock markets shook off early jitters on Thursday and remained steady, despite a major overnight military operation that heightened geopolitical tensions.The indices opened cautiously, reacting to 'Operation Sindoor'—a strike by the Indian armed forces on nine terror hubs in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK).In pre-opening trade, the BSE Sensex fell sharply but quickly regained ground once the market opened. By 9:45 am, both the Sensex and Nifty were in the green, despite the cautious sentiment on Dalal Street. Typically, military escalations tend to trigger a flight to safety, with investors shifting away from equities towards safer assets like gold, bonds, or the dollar, as uncertainty clouds the economic outlook.While markets remained volatile, swinging between gains and losses, there has been no major crash as of 10 am. Here are three reasons why Dalal Street remained steady after 'Operation Sindoor'.**FOCUSED AND NON-ESCALATORY'**

"What stands out in 'Operation Sindoor' from the market perspective is its focused and non-escalatory nature," said Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services. "We have to wait and watch how the enemy reacts to these precision strikes. The market is unlikely to be impacted by the retaliatory strike by India since that was known and discounted by the market."

STRONG FII INFLOWS

According to Vijayakumar, the market's resilience is primarily underpinned by strong foreign fund flows."The main catalyst of the market's strength right now is the sustained FII buying, which has added up to Rs 43,940 crore over the last 14 trading sessions," he noted. "FIIs are focused on global macros like the weak dollar, slower growth in the US and China, and India's relative outperformance. This can keep the market steady even in the face of geopolitical risks."He also highlighted a shift in FII strategy: "There is a big move toward largecaps, away from overvalued mid and smallcap stocks. FIIs, as always, are primarily buying into largecaps. This trend may persist.

MARKETS LIKELY TO REMAIN VOLATILE

While the indices rebounded, volatility remains in focus. Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities Ltd.

Karachi Stock Exchange bleeds, down 5% after India's Operation Sindoor

US-based global ratings major Moody's has told its clients this week that Pakistan will sustain major harm in its already-stressed economy if the gets into a military conflict with India.

Kolkata. Stocks on Karachi Stock Exchange appeared to have nosedived as trading began on Wednesday, May 7, hours after India struck back demilishing nine terror bases in PoK and Pakistan. According to delayed reports on a website, the Karachi Stock Exchange index dived 5,653.07 points, or 4.98% and wa stading at 107,915.44 even as the official website of the Karachi Stoch Exchange remained unavailable.After India hit back with missile strikes across the line of control from Tuesday night, all eyes are on how the Pakistan stock market behaves on Wednesday, May 7,

2025. The broad index KSE-100 of Karachi Stock Exchange was down about 4% since tension escalated between India and Pakistan following the terror attack in Pahalgam killing 26. data showed that between April 23 and May 5, the Karachi Stock Exchange index dipped 3.7%, mirroring nervous investors who apprehended a strong Indian military response to the April 22 attack on tourists in Pahalgam.According to websites of investment firms in Pakistan the stock exchange of that country remains open from 9:32 am to 3:30 pm Pakistan Standard Time (GMT+05:00) Monday through Thursday and from 9:17 am to 12:00 pm and 2:32 pm to 4:30 pm on Friday. The Pakistan Stock Exchange closes for lunch / intermission each day.

Website under maintenance

According to Bloomberg, the KSE-100 index stood at 113,476.40 on May 6. During the day, it declined 601.10 points or 0.53%. On Wednesday morning, it was not possible to access the Karachi Stock Exchange website. "PSX website is under maintenance and until further notice," kept flashing in the screen.

Impact of "Regional geopolitical tension"

Significantly, the Pakistan economy is in a shambles and any military conflict with its eastern neighbor can prove to be suicidal for Pakistan's economy, global rating major Moody's has said. In a note to its clients on May 5, Moody's said that rise in tension across the border could harm Pakistan's access to external financing and pressure its already-stressed forex reserves. Pakistan is heavily dependent on external debt and it does not have the resources to service that debt. recently China had to roll over $2 billion debt which was due from Pakistan, which is an ally of Beijing.Pakistan is said to have forex reserves to service only three months of imports. It owed more than $131 billion to external lenders at the end of December 2024. In FY23 and FY24, Islamabad borrowed in excess of $3 billion from the International Monetary Fund to keep its head above waters. Since 2022, Pakistan's economy has been in the news for all the wrong reasons — unmanageable deficits, runaway inflation of food and fuel prices and overall shortages.

Plot to revive sleeper cells foiled in Punjab, grenades, terror hardware seized

Air traffic disruptions rippled across Asia as India's retaliatory strikes in Pakistan and POK led to the shutdown of 18 airports and cancellation of over 200 flights across domestic and international sectors.

NEW DELHI. Over 200 flights were cancelled and at least 18 airports — including Srinagar, Leh, Amritsar and Chandigarh — were shut temporarily on Wednesday, following missile strikes launched by Indian armed forces in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (POK).The Indian armed forces targeted nine terror hubs in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir, including Jaish-e-Mohammad's stronghold in Bahawalpur and Lashkar-e-Taiba's base in Muridke. The offensive followed the recent terror attack in Pahalgam.The fallout on air traffic was immediate and widespread. Flight operations were suspended across key northern and western airports, including Jammu, Pathankot, Jodhpur, Jaisalmer, Shimla, Dharamshala and Jamnagar, amid heightened security restrictions. Air India, IndiGo, SpiceJet, Air India Express, Akasa Air and several foreign carriers called off services to and from affected regions.IndiGo alone cancelled around 165 flights, while a source said that 35 flights to and from Delhi — India's busiest airport — were cancelled between midnight and morning, including 23 domestic departures, eight arrivals, and four international flights. American Airlines and other global carriers also pulled back services.

Air India, in a statement, said it had suspended flights to and from Srinagar, Jammu, Leh, Jodhpur, Amritsar, Bhuj, Jamnagar, Chandigarh, and Rajkot until 5.29 am on May 10, following directives from aviation authorities. Affected passengers are being offered a one-time rescheduling waiver or full refunds.IndiGo took similar measures, cancelling all operations for the day at key northern airports, including Srinagar, Jammu, Amritsar, Leh, Chandigarh, Dharamshala, Bikaner, and Jodhpur. "We are anticipating changes across our network," the airline said on X, urging passengers to check real-time updates before travelling.SpiceJet confirmed the closure of multiple northern airports — including Dharamshala, Leh, Jammu, Srinagar, and Amritsar — "until further notice," and promised refunds or alternate options. Akasa Air called off all its Srinagar flights, while regional operator Star Air cancelled services to and from Nanded, Hindon, Adampur, Kishangarh, and Bhuj.Air India Express, too, reported several cancellations, particularly to Amritsar, Jammu, Srinagar, and Hindon. "Multiple flights on our network are impacted," it said, without specifying a resumption timeline.

Operation Sindoor is unique, it hit at the heart of Pakistan

New Delhi. Indian forces began Operation Sindoor at 1.05am on Wednesday when most of the subcontinent was asleep and shattered not just terror camps, but the spine and will of Pakistani terrorists. Why Operation Sindoor is unique is because, for the first time in history, India has targeted terror camps in the heart of Pakistan -- Punjab. In the earlier 2016 Uri and 2019 Pulwama counterstrikes, camps in Pakistan-Occupied Kashmir (POK) and adjoining Khyber-Pakhtunkhwa were hit by India.

It was a 25-minute operation in which nine terror camps were targeted, of which four were in Pakistan's Punjab province, said Colonel Sophia Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh in a media briefing on Wednesday.One of the terror camps, the one in Bahawalpur in Pakistan's Punjab, is, in fact, 100km from the Indo-Pakistan International Border (IB). Bahawalpur also houses one of the regimental centres of the Pakistani Army. However, India has made it clear that no Pakistani military infrastructure were targeted in Wednesday's pre-dawn strikes.

"This is the first time that targets in Pakistan's Punjab province have been struck since 1971," Sandeep Unnithan, senior defence correspondent and expert, told India Today Digital.

Unnithan said Operation Sindoor was big and unique because four terror camps in Punjab were attacked by Indian forces. They were: Markaz Subhan Allah Camp (in Bahawalpur district), Markaz Taiba Camp (in Sheikhupura district), Mehmoona Joya Camp (in Sialkot district) and Sarjal Camp (in Sialkot district).

In the 2016 Uri surgical strikes, camps across the Line of Control were targeted, while in post-Pulwama strikes, targets across the LoC and in Khyber-Pakhtunkhwa were targeted.

While Khyber-Pakhtunkwa is one of the four provinces of Pakistan, it is Punjab that houses the civilian and military establishments of Pakistan, which wages the terror war against India. While the Headquarters of the Pakistani Army is in Rawalpindi, Islamabad, a federally administered territory, borders Punjab. Both cities are just 15 kilometres apart.

Over 80 terrorists were killed across the nine locations in India's strikes on Wednesday that were in retaliation for the Pahalgam terror attack in which Pakistani and Pakistan-trained terrorists killed 26 peopleColonel Qureshi and Wing Commander Singh, during the Wednesday press conference, gave a detailed description of the terror history of the camps targeted, including the four in Pakistan's Punjab.

The four terror camps targeted in Pakistan's Punjab were:

1. Markaz Subhan Allah, (Bahawalpur District, Punjab) 100 km from IB
2. Markaz Taiba, (Muridke, Sheikhupura District, Punjab) 18 km from IB
3. Mehmoona Joya, (Sialkot District, Punjab) 18 km from IB
4. Sarjal Camp, (Sialkot District, Punjab) 6 km from IB

It was the barbarity of the Pahalgam terror attack that made India go for a major retaliation, said Foreign Secretary Vikram Misri."This was the largest number of civilian casualties since the 26/11 terror attacks. The Pahalgam attack was marked by extreme barbarity, with people killed with headshots in front of their family. The members were asked to take back the message," said Misri.

Rajnath Singh Speaks To Army, Air Force And Navy Chiefs Following Op Sindoor

Operation Sindoor: The conversation happened in the aftermath of the Operation Sindoor conducted by the Indian Armed Forces where they destroyed terrorist hideouts on Wednesday night.

New Delhi. Union Defence Minister Rajnath Singh spoke to chiefs of the Indian Army, Indian Air Force and Indian Navy, according to the sources.

The conversation happened in the aftermath of the Operation Sindoor conducted by the Indian Armed Forces where they destroyed terrorist hideouts on Wednesday night.Meanwhile. The Ministry of Defence (MoD) has announced that a press briefing on Operation Sindoor will be held on Wednesday at 10:00 AM. Further details regarding the operation are expected to be shared during the briefing.Earlier, India carried out its deepest strikes inside Pakistan's undisputed territory since 1971, according to CNN, successfully targeting terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir.This marks New Delhi's most significant military action within Pakistani territory in over five decades.

The strikes were carried out to avenge the victims of the Pahalgam terror attack and to eliminate Jaish-e-Mohammed (JeM) and Lashkar-e-Taiba (LeT) leaders involved in planning and executing terrorist attacks in India.

The Ministry of Defence, in its statement, said, "A little while ago, the Indian Armed Forces launched 'OPERATION SINDOOR', hitting terrorist infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir from where terrorist attacks against India have been planned and directed.""Our actions have been focused, measured and non-escalatory in nature. No Pakistani military facilities have been targeted. India has demonstrated considerable restraint in selection of targets and method of execution," the statement added.

Mock drills held at several schools in New Delhi

NEW DELHI. Several schools in New Delhi on Wednesday morning held mock drills regarding the preparedness and response during a crisis situation following the advisory of the Union Ministry of Home Affairs. The authorities will be conducting mock drills at 55 locations in Delhi's 11 revenue districts under 'Operation Abhyaas'.Mock drills will be carried out at several other locations at 4 pm. On early Wednesday, the Indian Armed Forces carried out Operation Sindoor, a series of "precision strikes on terrorist camps" at nine locations in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK).

The airstrikes were launched in response to the deadly 22 April terrorist attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, which New Delhi has blamed on Islamabad-backed militant groups.The operation was jointly carried out by the Indian Army, Navy, and Air Force, involving the coordinated mobilisation of troops and advanced assets.

The mock drills will also be carried out over a couple of days, covering the entire city.Preparatory meetings with various stakeholders have already been held to ensure smooth execution. The move comes in response to an advisory from the Union Ministry of Home Affairs (MHA), urging all states to carry out mock drills following the recent terror attack in Pahalgam, which resulted in 26 deaths, mostly tourists.

The authorities have prepared a comprehensive plan to carry out mock drills. They have identified five spots in each of the 11 revenue districts of the city having a market, a residential colony, a school, a government office and a hospital.Around 2,000 civil defence volunteers will be part of the drill.

Kung-Fu Pandey in Delhi & why Delhi's the best city for comic net practice

Engineer-turned-comedian Priyam Pandey performed his first solo stand-up show, 'Kung-Fu Pandey', in Gurugram over the weekend. A chat with the comic on the 'Delhi scene', and his dream of running a sitcom someday.

New Delhi. Priyam Pandey, a software developer by day and comedian by night, dived into the Delhi-NCR comedy circuit this weekend with his solo show, 'Kung-Fu Pandey'. Originally from Gorakhpur, he moved to Delhi for his engineering studies, but he admits that engineering never truly clicked with him. It wasn't until his college years, when he started connecting with comedians like Kaustubh Agarwal and Rajat Sood, that he stumbled into something. "I started attending comedy shows, and one thing led to another. Suddenly it just happened," he says.

Growing up, Pandey was always drawn to comedy. He watched sitcoms and shows like 'The Great Indian Laughter Challenge', and admired comedians like Johnny Lever, Raju Srivastav, and Jerry Seinfeld. "I used to download episodes and watch them over and over, trying to learn something," he recalls.

Pandey's comedy career began during the Covid-19 lockdown in 2021, just as he was finishing his college degree. "I was back home and realised I may never get a chance to get on stage again, because I was scheduled for a corporate lifestyle," he says. With open mics moving online, it became easier for newcomers like him to perform without the pressure of a live audience. Once he moved back to Delhi for his job, he started attending shows and performing, unable to stop after his first experience on stage. "Two years in, after my first 30-minute set, I knew this wasn't just a phase. I'm a comedian now, and there's no going back," says Pandey.

Despite bombing on stage and facing constant challenges, he knew one thing for sure: consistency was key. "There are plenty of hard days, but you can't quit. If you want to get better, you have to keep performing." Pandey's solo debut, 'Kung-Fu Pandey' Live, reflects his experimental style and love for pop culture. The name was partly inspired by his nickname, Panda, and his admiration for Jack Black, who voiced the character Po in the Kung Fu Panda film franchise. "Also, people have been calling me Panda because I'm on the healthier side, so it felt fitting," says Pandey.

For organ donation, new registry with waiting list which patients can track

New Delhi. The national regulator overseeing organ allocation and transplantation is working to develop a "more dynamic" real-time portal to register patients in need of organs and donors, track the allocation process, grant approvals and monitor the outcome, The Indian Express has learnt.Sources said the National Organ and Tissue Transplantation Organisation (NOTTO) is also conducting consultations to formulate a uniform policy for organ allocation as part of its broader efforts to enhance transparency and establish one national-level waiting list. These measures follow a "major national consultation" with experts held last year, the sources said.

NOTTO is currently in talks with C-DAC, the autonomous computing agency, to create the new portal which, sources said, will lead to the creation of a "dynamic national registry and waiting list".

This is significant, sources said, because the portal will allow patients to check their position on the waiting list, as per recommendations of national-level experts.

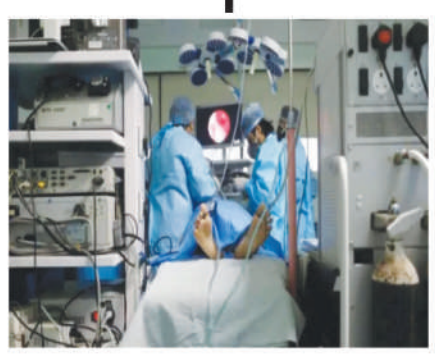

The portal also will connect all the 712 transplant centres, 31 state-level bodies and five regional bodies involved in the process.Asked about the new measures, NOTTO director Dr Anil Kumar told The Indian Express: "The portal currently in use allows hospitals to register their patients. However, there are some states from which we get aggregate data on the number of transplants but not the details of individual cases."

According to sources, with several instances of illegal organ trade coming to light in recent years, NOTTO will also make efforts to make the process of allocation more transparent, sources said. For instance, they said, the portal will require hospitals to upload patients' health records as well as deliberations of the expert committees that approve the transplantation. "These documents will not be publicly visible but will be accessible to officials from NOTTO, ensuring that they are able to detect any fraudulent practices," the sources said.

Besides, the portal will record all mandated processes for allocation of organs to ensure that protocols put in place separately for deceased and living donors are followed. Besides, it will attempt to capture data on the outcome of transplants with provisions for uploading health data of patients during follow-ups.

Asked about this measure, NOTTO chief Kumar said, "While there is a format to record the outcome data even now, it is not really captured by most transplant centres."

From 1947 war to Operation Sindoor: Tracing India-Pak's history of clashes

Operation Sindoor highlights the volatile history of armed conflicts between India and Pakistan, a relationship shaped by a series of violent encounters and border skirmishes since their independence in 1947.

NEW DELHI. In a significant escalation of ongoing military tensions, India launched a decisive operation, Operation Sindoor, targeting nine terrorist camps across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (POK) on the heels of the Pahalgam terror attack, which claimed the lives of 26 civilians.The strikes, which lasted only 25 minutes, resulted in the death of over 80 terrorists and were reportedly carried out at strategic locations known for hosting terrorist training activities. Among these targets was the site where the 26/11 Mumbai terror attacks were orchestrated.

This latest military action highlights the volatile history of armed conflicts between India and Pakistan, a relationship shaped by a series of violent encounters and border skirmishes since their independence in 1947. The roots of their animosity lie primarily in the disputed region of Jammu and Kashmir, a flashpoint that has led to multiple wars and ongoing conflicts.

1947 - FIRST INDO-PAK WAR

The first major clash occurred in 1947, soon after the partition of India and Pakistan. The war, also known as the First Kashmir War, erupted when tribal militias backed by Pakistan infiltrated Jammu and Kashmir, prompting India to send troops in defence of the region. The conflict lasted until 1949, when a UN-mediated ceasefire was implemented, resulting in the division of Kashmir along the Line of Control (LoC), which remains the de facto boundary between the two countries in the region.

1965 - SECOND INDIA-PAK WAR

The 1965 Indo-Pak War broke out in August over the Kashmir dispute. Pakistan launched Operation Gibraltar, aimed at infiltrating Kashmir with disguised troops and insurgents to provoke uprisings. India responded with a full-scale military offensive, leading to heavy casualties on both sides.

After intense combat, a ceasefire was brokered by the Soviet Union and the United States, and the Tashkent Agreement was signed, but tensions remained high.

1971- BANGLADESH LIBERATION WAR

In 1971, Pakistan's crackdown on East Pakistan (now Bangladesh) led to widespread violence. India intervened in support of the Bangladeshi independence movement, launching military operations on the eastern front. After intense fighting, Pakistani forces surrendered on December 16, 1971, leading to the creation of Bangladesh as an independent nation. This war also saw significant naval and aerial operations by India, including attacks on Karachi harbor by the Indian Navy.

NEWS BOX

Why Operation Sindoor Is Unlike Any Mission India Has Ever Carried Out

world. Unlike the 2016 Uri surgical strikes, 2019 Balakot airstrikes, or other past Indian operations, which were limited in scale and scope, Operation Sindoor was technologically robust, expansive and unlike any mission India has ever carried out. The move to strike deep into Pakistan-occupied territory revealed one thing: a departure from prior doctrine.

Operation Sindoor was not only the most expansive cross-border strike conducted by India since the Balakot operation, but also represented an evolution in India's strategic posture."The sheer scale of militant loss sent a strong message to terrorist networks and their handlers. India now reserves the right to strike preemptively, and no location is beyond reach," a government source said.

The strikes followed the April 22 terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, where 26 civilians were killed. Intelligence agencies linked the attackers to Lashkar-e-Taiba (LeT), a Pakistan-based terrorist organisation with a long track record of targeting Indian civilians and security forces. In response, Operation Sindoor was conceived not just as a retaliatory show of force but as an attempt to degrade the logistical and operational foundations of terrorism originating from Pakistani soil.

The Targets

The operation struck nine locations across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir. These included Muzaffarabad, Kotli, Bahawalpur, Rawalakot, Chakswari, Bhimber, Neelum Valley, Jhelum, and Chakwal. The total number of missile strikes stood at 24, making this the most extensive single-day precision operation India has ever executed

Pak Army Complicity Most Politically Explosive...': Sources On Op Sindoor

world. The role of the Pakistani army in supporting terrorists to launch attacks against India became even more evident today when they stood up in defence of terror infrastructure hit by Indian missile strikes.Called Operation Sindoor, India carried out 24 precision missile strikes in nine locations - Muzaffarabad, Kotli, Bahawalpur, Rawalakot, Chakswari, Bhimber, Neelum Valley, Jhelum, and Chakwal, which were identified as hubs of terrorist activity, sources said.

The operation targeted camps affiliated with Lashkar-e-Taiba (LeT) and Jaish-e-Mohammad (JeM).

Over 70 militants were killed and more than 60 wounded, significantly degrading the operational capability of these groups, sources said.Perhaps the most politically explosive dimension of Operation Sindoor was the direct attribution of complicity by the Pakistani army in supporting terrorist infrastructure, sources said.This was not the first time such an accusation had been leveled, but the timing and scale of Operation Sindoor highlighted that India had decided to act on this long-standing intelligence assessment, they said.Indian military and intelligence sources pointed to irrefutable evidence that elements within the Pakistan Army, particularly those connected to the Inter-Services Intelligence (ISI), were providing logistical support, safe havens, training, and financial backing to terrorist groups operating in Pakistan-Occupied Kashmir (PoK) and Punjab province.The proximity of some of the terrorist camps to known military installations and cantonments reinforced suspicions that they were being deliberately shielded, sources said.

In several cases, terrorists were seen using Pakistani army infrastructure as cover or enjoying unfettered access to restricted zones, they said, adding that despite repeated international appeals, the Pakistani establishment had done little to dismantle these networks - a passive tolerance that, in India's view, amounted to active collaboration.

Cincinnati Mayor Aftab Pureval to face Cory Bowman, JD Vance's half brother, this fall

COLUMBUS.Cincinnati Mayor Aftab Pureval will face Cory Bowman, the half brother of Vice President JD Vance, this fall after the pair were the top two vote-getters in Tuesday's primary.

Pureval placed a dominant first in the nonpartisan three-way contest, in which third-place finisher Republican Brian Frank was eliminated. Under the rules of the southwest Ohio city's nonpartisan primaries, only the top two primary finishers advance to the November general election.With nearly all votes counted, Pureval led Bowman by about 70 percentage points Tuesday night, highlighting the uphill fight that Bowman will face in November. If Bowman pulls an upset in this predominantly Democratic city, he would be the latest family member of a president or vice president to serve in office. That includes the brother of Mike Pence, President Donald Trump's first vice president, elected to Congress during their previous administration.In a statement, Pureval said the city deserves a "substantive and healthy debate of ideas about the future of our city" headed into the fall.

"There is work ahead of us in Cincinnati, but I am incredibly proud of what we've accomplished over the past few years," he said. "We have made meaningful, tangible progress for folks across our community, and this is a moment to keep building on the momentum we've worked so hard to create."Bowman did not have an immediate comment. He has said he wants to improve his city, not get involved in national politics.Pureval, 42, is viewed as a Democratic up-and-comer. A former special assistant US attorney, congressional candidate and Hamilton County clerk of courts. He won the 2021 mayor's race with nearly 66% of the vote to lead Ohio's third-largest city.Bowman, 36, co-founded an evangelical church on the city's West End and owns a coffee shop. He has never held public office but says his half brother's inauguration inspired him to enter politics.

Urge both sides to remain calm: China's message after India strikes Pakistan

China has termed India's airstrikes in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir 'regrettable' and urged both sides to exercise restraint and avoid further escalation.

world. China has expressed concern over India's recent military operations targeting areas in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (PoK), urging both nations to avoid escalating tensions.Responding to the strikes, a spokesperson for the Chinese Foreign Ministry on Wednesday described India's early morning action as 'regrettable' and called for restraint."We are concerned about the ongoing situation. India and Pakistan are and will always be each other's neighbours. They are also China's neighbours," the spokesperson said.Unlike Francis, Tagle enjoys a global reputation as a theologian, which could help him gain votes from moderate cardinals concerned by some of Francis' off the cuff utterances, which led to what some called confusion about Church teachings.China opposes all forms of terrorism. We urge both sides to act in the larger interest of peace and stability, remain calm, exercise restraint and refrain from taking actions that may further complicate the situation," the spokesperson added.

According to officials, nine targets struck under "Operation Sindoor", four in Pakistan and five in Pakistan-Occupied-Kashmir, were chosen by the Indian Air Force (IAF) after receiving intelligence inputs about terror camps operating under the guise of health centres to evade detection at these sites.The missile strikes, launched in retaliation to the April 22 killing of tourists in Pahalgam, hit key infrastructure of globally proscribed terror outfits Jaish-e-Mohammed, Lashkar-e-Taiba, and Hizbul Mujahideen, they added.

The targeted sites also included Lashkar-e-Taiba training camps linked to the 26/11 Mumbai attacks (including Ajmal Kasab's training) and the group's Muridke (Pakistan's Punjab) headquarters, visited by David Headley and Tahawwur Rana. Al Qaeda terrorist Osama bin Laden, killed in 2001, had donated Rs 10 lakh for the construction of a guest house there.Meanwhile, the Indian military establishment said all air defence units have been put on alert along the frontier with Pakistan, sources said.After the operations, India reached out to several leading countries, including the US, Russia, the UK, UAE and Saudi Arabia and briefed them about the military strike on the nine terror targets in Pakistan and Pakistan-Occupied-Kashmir.

"Prioritise Peace, Stability": China's Message To India, Pak After Op Sindoor

Beijing. India on Wednesday launched "Operation Sindoor", hitting terrorist infrastructure sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (POK) in retaliation for the Pahalgam terror attack. Reacting to the development, China has expressed concern and urged both sides to show restraint in response to a major escalation between its nuclear-armed neighbours.

A close ally of Pakistan, China shares land borders with both countries. Beijing expressed its "regret over India's military action this morning" and said it was "concerned about the current developments"."India and Pakistan are neighbours that cannot be moved apart, and they are also China's neighbours. China opposes all forms of terrorism," a foreign ministry spokesperson said in a statement."We call on both India and Pakistan to prioritise peace and stability, remain calm and restrained and avoid taking actions that further complicate the situation," the spokesperson added.

India's Action Against Pakistan

India and Pakistan exchanged heavy artillery along the borders on Wednesday, after New Delhi carried out "precision strikes at terrorist camps" at nine sites in POK and Pakistan's Punjab. The military action was carried out two weeks after the killing of 26 civilians in Jammu and Kashmir's Pahalgam.Islamabad said Indian strikes had killed at least eight people, while India said Pakistani artillery fire had killed ten civilians along the Line of Control (LoC).

After the operation, the Indian army said "justice is served", with New Delhi stressing its actions "have been focused, measured and non-escalatory in nature"."No Pakistani military facilities have been targeted. India has demonstrated considerable restraint in the selection of targets and the method of execution," an official statement said.Reports said that Indian armed forces used stand-off weapons, drones and precision munitions, besides other weapons, in the strike. The targets included Hizbul Mujahideen's facility in Mehmoona Joya in Sialkot, Lashkar-e-Taiba's base in Markaz Ahle Hadith in Barnala and its camp in Muzaffarabad's Shawai Nalla. India also struck at Jaish-e-Mohammad's Markaz Abbas facility in Kotli.

No terror camps in Pak Journalist fact-checks minister on air after India strikes

Pakistan's Information and Broadcasting Minister Attaullah Tarar was left floundering on live television after Sky News anchor Yalda Hakim fact-checked him with his own government's record of supporting terror groups — just hours after India launched precision strikes on terror camps across Pakistan and Pakistan Occupied Kashmir (POK).In a calibrated military response to the April 22 terror attack in Pahalgam, Indian armed forces carried out cross-border strikes on nine targets early on Wednesday. The strikes, dubbed Operation Sindoor, destroyed infrastructure linked to terror groups Jaish-e-Mohammed (JeM), Lashkar-e-Taiba (LeT), and Hizbul Mujahideen.During an appearance on Sky News, Tarar was denouncing New Delhi for allegedly targeting civilian areas — a claim that Hakim promptly dismantled.The Indian armed forces have said that they only targeted terrorist camps and not Pakistani military facilities," Hakim told the minister.Tarar responded with a flat denial: "Let me make it very clear, there are no terrorist camps in Pakistan. Pakistan is a victim of terrorism. We are the frontline state against terrorism."But Hakim swiftly challenged him, pointing to an explosive admission made just days earlier by Pakistan's Defence Minister Khawaja Asif."On my programme, just a week ago, your Defence Minister Khawaja Asif admitted that Pakistan has for decades had a policy of funding, backing, using terrorist groups as proxies in the country," Hakim said. "In 2018, President Donald Trump cut military aid to Pakistan because he accused Pakistan of playing a double game."She continued: "So when you say there're no terrorist camps in Pakistan, that is going against what Gen Parvez Musharraf said, what Benazir Bhutto said and what your defence minister said just a week ago."Tarar struggled to respond before doubling down: "Pakistan is the guarantor of world peace." He then extended an invitation to Hakim to visit the country.

"I have been to Pakistan," Hakim replied. "And we know that Osama Bin Laden was discovered in Abbottabad in Pakistan."Calling India a "provocator and aggressor", Tarar asserted Pakistan would defend its territory and was readying a response to the missile strikes.

Michelle Obama Reveals She's In Therapy As She Gears Up For "Next Phase" In Life

world. Former First Lady Michelle Obama shared that she is seeking therapy to navigate the "next phase of her life." With her daughters grown, her public service work concluded, and her focus now on herself for the first time in years, she emphasised the importance of therapy in navigating this personal shift. Her comments follow speculation about a possible divorce from former President Barack Obama.

"At this phase of my life, I'm in therapy right now because I'm transitioning, you know? I'm 60 years old, I finished a really hard thing in life with my family intact. I'm an empty nester. You know my girls are in — they've been launched. And now for the first time, as I've said before, every choice I'm making is completely mine," she said in an interview with the Jay Shetty Podcast.The former First Lady said a combination of being out of public service and her children being fully grown has left her in a situation where "every choice that I'm making is completely mine"."I now don't have the excuse of, 'Well, my kids need this,' or 'my husband needs that, ' or 'the country needs that.' So, how do I think about this next phase? Let me get some help," she added.

Mrs Obama, a longtime advocate for therapy, compared it to getting a "tune-up." She explained that, having practiced therapy for years, she feels this is the ideal moment for it, as she transitions into a new phase of life, fully aware of her past experiences and current needs. She acknowledged that she was able to "unwind some old habits" and "sort through some old guilt" during therapy sessions.

Notably, her absence from events such as President Donald Trump's second inauguration and the funeral of former President Jimmy Carter earlier this year prompted speculation that the Obamas were not in good health. Mrs Obama revealed that stepping away from certain high-profile commitments was a deliberate choice rooted in self-care. "I get to look at my calendar, which I did this year, was a real big example of me, myself looking at something that I was supposed to do - you know, without naming names - and I chose to do what was best for me, not what I had to do, not what I thought other people wanted me to do," she said.

Pakistan condemns India's Operation Sindoor; claims eight civilian deaths, summons top security meet

Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, condemning the attack as a "heinous act of aggression", said, "a resolute response is already underway."

world. At least eight people, including a child, were killed and around 38 were injured in India's Operation Sindoor early on Wednesday, Pakistan's military spokesperson Lt. Gen. Ahmed Sharif Chaudhry has claimed.

India's missile attacks come in retaliation to the April 22 terrorist attack in Pahalgam, when 26 people were killed.India's defence ministry stressed that the operation was measured and non-escalatory, with no Pakistani civilian, economic, or military installations struck.Pakistan's Minister of Defence Khawaja Muhammad Asif said "they (India) have targeted multiple locations, which are all civilian."India had underlined that their strikes had targeted known terror centres.Pakistan has called a National Security Committee meet after the strikes, reported AFP.Calling the strikes "a cowardly attack", Chaudhary, claimed that Indian strikes hit locations in Kotli, Muridke, Bahawalpur, and Muzaffarabad.

Muridke houses the headquarters of Lashkar-e-Taiba, while Bahawalpur in Punjab province is a known base of Jaish-e-Mohammad, led by Masood Azhar.Chaudhry also called the strikes a "heinous provocation" and said "we will retaliate at the time of our choosing".Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, condemning the attack as a "heinous act of aggression", said, "a resolute response is already underway."Following the strikes, Pakistan initiated artillery shelling along the Line of Control in the Bhimber Gali sector of the Poonch-Rajauri region that claimed at least three Indian lives.The Indian Army stated that its troops are "responding appropriately in a calibrated manner."Pakistan has reportedly closed all major airports for a period of 48 hours.

State-run Pakistan Television, quoting security officials, said the country's air force shot down two Indian jets in retaliation but provided no additional detail, reported AP.Pakistan's Foreign Affairs Ministry said Indian forces had launched the strikes while staying in Indian airspace. Other locations hit were near Muridke in Punjab and Kotli in Pakistan-controlled Kashmir.It said the attack reportedly resulted in civilian casualties and posed a significant threat to commercial air traffic."This reckless escalation has brought the two nuclear-armed states closer to a major conflict," the statement said.

NEWS BOX

Hardik Pandya not bowling final over can cost MI place in playoff: Sunil Gavaskar

New Delhi. India legend Sunil Gavaskar believes that Mumbai Indians captain Hardik Pandya's decision to not bowl the final over against Gujarat Titans in a rain-curtailed thriller at the Wankhede Stadium could prove costly in the race for the IPL 2025 playoffs. Gavaskar made these remarks after Gujarat Titans edged past Mumbai Indians by three wickets under the Duckworth-Lewis-Stern (DLS) method to move to the top of the IPL points table.The former India captain pointed to Pandya's proven track record in high-pressure situations and questioned the logic behind giving the final over to Deepak Chahar, who has limited experience bowling at the death. "As I explained earlier, because of the fact that he had bowled those final o

vers - and bowled them very well - he bowled over against Bangladesh where, I mean, we got 3 wickets, Bangladesh had to score 4 or 5, and India managed to win that game by 1. And then in the final of the ICC T20 World Cup last year in the West Indies, in Barbados, he bowled that final over and India win," Gavaskar said while speaking on JioStar.Chasing a modest target of 156, Gujarat Titans stumbled early and fell behind the DLS par score when rain first interrupted play. After a stop-start encounter, which saw two rain delays, GT needed 15 runs off the final over following a weather-induced target revision to 147 from 19 overs.IPL 2025. MI vs GT: Highlights

Mumbai handed the ball to Deepak Chahar, who had rarely bowled in the final overs. Rahul Tewatia and Gerald Coetzee capitalised - Tewatia hit a four off the first ball, and Coetzee smashed a six off the third. A costly no-ball by Chahar further tilted the game in GT's favour. Although he dismissed Coetzee, Arshad Khan and Tewatia managed to scramble a single off the last delivery to seal a dramatic win."So with that, with one over left, I would have thought that - because, let's face it, also, you know, in commentary we heard that Deepak Chahar really hasn't bowled in the final 5 overs. This is probably, you know, one of those rare occasions, so he, you know, he's not used to bowling in the final overs. So I think that is where the... uh... but, I mean, the game could have changed," Gavaskar observed.

MI vs GT: Sunil Gavaskar honours Shubman Gill with Player of Match for captaincy

New Delhi. Indian legend Sunil Gavaskar adjudged Gujarat Titans captain Shubman Gill the Player of the Match for his all-round impact against Mumbai Indians on May 7 in IPL 2025 - not just for being the top scorer, but for his smart leadership in a rain-marred nail-biter.Gill was handed the award after GT clinched a three-wicket win via the DLS method, where his 43 off 46 stood out on a challenging Wankhede surface. More importantly, it was his composed reading of the pitch and bowling strategy in the first innings that played a vital role in keeping MI down to just 156.During the post-match presentation, commentator Harsha Bhogle informed Gill that Sunil Gavaskar, the official adjudicator, picked him as the Player of the Match not only for his batting but also for his shrewd captaincy under pressure.There was a little bit of chaos when

we came to bat after the break. But it was good to get this result. The game plans were different when we were batting in the powerplay when there was some rain. It felt like a Test match and we thought of playing normal cricket. The rain kept coming and it was not easy to come back in and play," Shubman Gill said."Lot of emotions. Most of them were frustrating because at one stage, we were ahead of the game. But one of those phases of play when we lost four wickets. Felt like a Test match. But we got one more chance and we got across the line," he added.In a match interrupted twice by rain, Gill's tactical blend of spin - using Sai Kishore and a resurgent Rashid Khan - and pace through Prasidh Krishna helped control MI's middle overs. His calls proved decisive as the visitors failed to build momentum on a track that typically favours batters.

Even during GT's tense chase, Gill's partnership with Jos Buttler helped lift the side above the DLS par score after a slow powerplay, triggered by Sai Sudharsan's early dismissal of MI's Trent Boult.

Champions League: Barcelona coach fumes over refereeing decisions after semi-final exit

- Barcelona's Champions League journey ended after a dramatic semi-final defeat against Inter Milan. Controversial referee decisions sparked outrage amongst Barcelona fans including coach Hansi Flick.

New Delhi. FC Barcelona manager Hansi Flick fumed at Polish referee Szymon Marciniak after the team's semi-final exit in the Champions League. Barcelona lost 3-4 to Inter Milan in the second leg of the competition in a memorable tie at the San Siro on Tuesday night, May 6.In a high-intensity game, Barcelona fought back from 0-2 down, just like they did in the first leg of the competition, but were undone by a late Extra Time goal. Several 50-50 calls went against Barcelona on Tuesday, which had Flick fuming at the press conference after the match.Inter Milan stopped the Catalans from reaching their first Champions League final in a decade after an extra-time goal by home substitute Davide Frattesi. Barca thought they had victory in the bag when they roared back from two goals down to grab a 3-2 lead with Raphinha's goal in the 87th minute, but the hosts equalised through Francesco Acerbi's well-directed flick-in, in added time to stay alive, and then scored the winning goal in extra time.While Flick did not mention what the inflexion points were, during the match, the Barcelona coach was seen agitated with two decisions - one against Pau Cubarsi which resulted in a penalty against Barcelona, and then against Lamine Yamal, where Barcelona were given a free kick instead of a penalty, despite the foul being carried into the box.Barca's players and bench also complained about what they thought was a handball inside the box by Inter defender Acerbi and a foul by fullback Denzel Dumfries on Gerard Martin in the build-up to the equaliser which took the game to extra time."I don't want to talk too much about the referee, but every decision that was 50-50 went (Inter's) way," Flick said in a press conference."I am disappointed, but not with my team. They tried everything. It's the way it is. We are out, but next year we will try again to make the fans happy."It makes me sad ... My team did an excellent job. I don't like talking about the referee ... I've told him what I think, but I'm not going to say here what I've said..."Barca were chasing a treble after winning the Copa del Rey, but will now turn their focus to La Liga, where they top the table and on Sunday host rivals Real Madrid, who trail them by four points with four games to go.The five-time winners were hoping to reach their first Champions League final since 2015, but were left licking their wounds ahead of Sunday's 'El Clasico'. Unbeaten domestically since late December, Barcelona will try to grab a fourth consecutive victory over Real this season.

"We'll learn from this. It's a progression. We want to keep learning. We don't have much time to train now, but next weekend we are back. It's normal to be disappointed," Flick said."The team deserves the respect they have earned. We play to win, we want to win titles and we have La Liga, with a very difficult match. We have a few days to prepare for this match. Each player, when they get home, can look in the mirror and be proud of themselves. We'll analyse the game calmly and see what we can do," the coach concluded.

IPL 2025: Mumbai Indians will treat every game as playoffs now, says coach Mahela Jayawardene

- Mumbai Indians lost to Gujarat Titans on Wednesday
- Mumbai have 14 points from 12 matches
- MI coach said that every match is a knockout game from now on

New Delhi Mumbai Indians complicated their chances of qualification to the Indian Premier League playoffs after losing to Gujarat Titans on Tuesday, May 6. In a rain-curtailed match, MI lost on the final ball after Gujarat chased down 147 runs from 19 overs with three wickets in hand.

With seven teams still in the playoffs race, it is increasingly looking like 16 points will not be safe enough to make it to the top 4 this season. Mumbai have 14 points from 12 matches, and desperately need to win the final 2 games to ensure a position in the final 4 this season.Speaking on the same at the post-match press conference, Mumbai Indians head coach Mahela Jayawardene said that the team will treat every single match as a playoffs from now on as they look to maintain their tremendous second-half run in the tournament.

Mumbai Indians showed exceptional resilience to stay in the playoffs race despite losing four out of their first five matches this season. MI were on a sensational 6-game winning haul, which was brought to a halt by the barest of margins on Tuesday."Both teams made quite a few mistakes all day in the middle and we probably made more than they did. I think that's the difference. I think we didn't play our best, especially with the bat. I thought we were set up nicely \[initially] and then, we just had to bat those last eight overs, which we didn't bat smartly," Jayawardene analysed the game at the post-match press conference."We're probably 30 runs short on that wicket The guys bowled really well and created a lot of opportunities. So, I think that's a good sign and we treat every game as a playoff game from here on. I'm very proud of the boys today, the way they fought back from that situation," he added.Mumbai Indians play Punjab Kings and Delhi Capitals in their final 2 matches of the season. They will bank on their top performers - Suryakumar Yadav and Jasprit Bumrah - to qualify for the top 4.

Mumbai Indians must win both games to control their destiny in IPL 2025: Anil Kumble

New Delhi Former India captain and coach Anil Kumble believes Mumbai Indians (MI) must win both their remaining league matches to ensure qualification for the IPL 2025 playoffs without relying on other results. Speaking on JioStar after MI's dramatic last-ball defeat to Gujarat Titans (GT), Kumble underlined the fine margins at play as the tournament nears its business end."Eighteen points should secure a play-off spot. GT need to win just one of their remaining three to get there. For Mumbai, they must win both upcoming games. At 16 points, things can get tricky - you don't want to rely on other teams' results. From winning six in a row to losing today, MI won't want to take it to the wire. Winning both games is a must to control their destiny," Kumble said.GT snapped MI's six-match winning streak in a rain-marred thriller at the Wankhede, clinching victory by three wickets off the final ball under the DLS method. The result significantly dented MI's chances of finishing in the top two, a position that offers an extra shot at reaching the final.Despite the setback, MI still have their fate in their own hands. Wins in both remaining fixtures will take them to 18 points - a tally that historically ensures a playoff berth. However, a top-two finish remains

uncertain, as Gujarat Titans, Royal Challengers Bengaluru, and Punjab Kings all have the potential to surpass that mark.

If MI manage only one win from their last two matches and finish on 16 points, they will have to depend on the outcomes of other fixtures. A loss in both games would knock them out of playoff contention.

The only silver lining for the five-time champions is their superior net run rate of +1.156, which could prove decisive in a tight race. With 14 league matches still to be played and seven teams still in contention, the playoff equation remains wide open.

Frattesi shoots Inter into Champions League final after Barcelona epic

MILAN: Davide Frattesi fired Inter Milan into the Champions League final on Tuesday with an extra-time winner which gave the Italians a stunning 4-3 triumph over Barcelona, 7-6 on aggregate.

Italy midfielder Frattesi won a tie for the ages under a downpour in Milan when he lashed home in the 99th minute after great play from Marcus Thuram, sending a packed and rocking San Siro wild with joy.Simone Inzaghi's team will face either Arsenal or Paris Saint-Germain at the end of this month in Munich, where they will feel they have a great chance to be crowned kings of Europe for a fourth time after coming out on top in an epic contest.Frattesi has become something of a super-sub for Inter and he

struck late just as he did in the first leg of his team's quarter-final win over Bayern Munich."It's just incredible, I don't know what to say. I thought after the Bayern game I couldn't ever feel the same emotions, but tonight was even more incredible," said Frattesi to Sky Sport."This has been my career, really. I wasn't blessed with incredible talent, but I never give up and always believe and this is the reward for all my effort and dedication."Tuesday's triumph saved Inter's season as their bid for the treble went up in smoke after getting past Bayern.Inter conceded top spot in Serie A to Napoli, who are favourites to claim the domestic league title, while AC Milan dumped them out of the Italian Cup.But Inter ended Barca's hopes for the quadruple and head into the final weeks of the season buoyant with a second Champions League final in three seasons to look forward to.

MI vs GT: Hardik Pandya, Ashish Nehra fined for breaching IPL Code of Conduct in thriller

- Mumbai Indians captain Hardik Pandya was fined Rs. 24 lakh for his team's second slow over-rate offense of the season, while Gujarat Titans head coach Ashish Nehra was fined 25% of his match fees and handed a demerit point for conduct deemed "contrary to the spirit of the game."

New Delhi. The Board of Control for Cricket in India (BCCI) has taken disciplinary action against Mumbai Indians captain Hardik Pandya and Gujarat Titans head coach Ashish Nehra for breaching the IPL Code of Conduct during their tightly contested clash at the Wankhede Stadium.Pandya was fined for his team's slow over rate - Mumbai Indians' second such offence of the season. As a result, he was handed a Rs 24 lakh penalty, while the rest of the playing XI, including the impact player and concussion substitute, were each fined either Rs 6 lakh or 25% of their match fees, whichever was lesser.Nehra, meanwhile, was sanctioned for conduct deemed contrary to the spirit of the game. Though the IPL's official release did not elaborate on the specifics, the former India pacer was seen visibly animated during the rain-interrupted match and engaged in prolonged, heated discussions with the on-field umpires. He was fined 25% of his match fee and handed one demerit point after admitting to a Level 1 offence under Article 2.20 of the Code.Confirming Pandya's penalty, the IPL said in an official statement: "As it was his team's second offence of the season under the IPL's Code of Conduct relating to minimum over-rate offences, Pandya was fined Rs 24 lakh."On Nehra's conduct, the league added: "Ashish Nehra, Head Coach, Gujarat Titans, has been fined 25% of his match fees and has also accumulated one demerit point for breaching the IPL Code of Conduct. He admitted to the Level 1 offence under Article 2.20 - which pertains to conduct that is contrary to the spirit of the game - and accepted the match referee's sanction." For Level 1 breaches, the match referee's decision is final and binding.

Ananya Panday

Flaunts Oiled And Braided Hair As She Wraps Up New Project

Ananya Panday has wrapped up yet another of her projects. After impressing viewers with her role as Dilreet in the recently released Kesari Chapter 2, the 26-year-old actress took to her Instagram account to share the happy news with fans about the wrap of her shoot. While Ananya did not specify the name of the film or series, she gave her followers a fun behind-the-scenes peek featuring her team.

Taking to her Instagram Stories on Monday, May 5, Ananya posted a cheerful picture taken inside her vanity van. In the picture, she was seen posing with her hair and makeup team, all flashing big smiles. Ananya stood in the middle of the image, dressed casually in a black tee, looking all relaxed and happy.

However, the highlight of the photo turned out to be the actress' oiled and braided hair, which she did not shy away from flaunting on camera. Sharing it, Ananya wrote, "& it's an oil in my hair kinda wrap with the girlies," followed by a red heart emoticon.

Before announcing the wrap-up of her project, Ananya shared some candid snippets from her trip to Italy as she attended the Chanel Cruise 2025/26 show. The post opened with selfies of the 26-year-old actress and a delicious spread of food. A series of random pictures, including that of her fur baby, quotes, some tourist spots in the country and a bottle of oil concluded the post.In the caption, Ananya wrote, "Final touches and a little bit of this and that."

On the professional front, Ananya Panday was last seen in Kesari Chapter 2: the Untold Story of Jallianwala Bagh. The historical courtroom drama, directed by Karan Singh Tyagi, stars Akshay Kumar in a lead role alongside R Madhavan, Regina Cassandra, Simon Paisley Day and Alexx O'Nell. Based on the book The Case That Shook The Empire by Pushpa Palat and Raghu Palat, delves into the legal battle led by barrister C Sankaran Nair (played by Akshay Kumar) to uncover the truth behind the brutal Jallianwala Bagh massacre that shook India on April 13, 1919.After Kesari 2, Ananya Panday has two projects in her kitty. First, Chand Mera Dil, opposite the Kill actor Lakshya. Directed by Vivek Soni, the film is going to be a college romance about engineering students. Ananya will also reprise her role as Bella Chowdhury in Call Me Bae season 2.

Tiger Shroff Flaunts His Toned Back In New Beach

Tiger Shroff's social media has become a go-to source of inspiration for fitness enthusiasts. Apart from his impeccable acting skills, the action star is quite a fitness lover. Tiger has once again left fans in awe with his jaw-dropping chiselled physique. In the latest video shared on Instagram, he was seen running shirtless on the beach.With his back to the camera, Tiger Shroff ran barefoot on the sand. He also flaunted his toned back and arm muscles in the video. Tiger simply dropped a sun and a wave emoji in the caption, followed by the hashtags blessed and nature therapy. Take a look:

Before this, Tiger Shroff showcased his lightning-fast running in an Instagram post. The actor shared a video of himself running on the track, giving fans a glimpse of his stunning muscular physique. The clip featured the Baaghi star sporting a yellow shorts and shoes. The caption on the post read, "Haven't tested my full speed in a while..still as fast as i used to be and any car on our roads."Coming to Tiger Shroff's work slate, the actor was last seen in Rohit Shetty's Singham Again. Next, he is gearing up for the release of Baaghi 4. Last year, Tiger shared a glimpse of his rugged look from the movie on Instagram. In the pictures, he was seen sporting a yellow vest with the text "Work Hard" written over it. In the caption, Tiger wrote, "Half tiger half gorilla."

Directed by A Harsha, Baaghi 4 is the latest addition to the hit Baaghi franchise. The first movie, titled Baaghi, released in 2016, followed by the second instalment in 2018 and the third one in 2020. Besides Tiger Shroff, Baaghi 4 features Sonam Bajwa as the lead actress, while Sanjay Dutt will portray the antagonist. The film is expected to hit theatres on September 5, 2025.

Priyanka Chopra Stuns In Diamond Mini Dress At Met Gala 2025 After-Party

riyanka Chopra looked cheerful as she headed for Met Gala 2025 after-party with her hubby Nick Jonas!

Actress Priyanka Chopra wowed fans with her stunning look at the Met Gala 2025. She graced the prestigious fashion event in a custom Balmain black-and-white polka dot outfit, and her pictures and videos from the glamorous event went viral on social media. After the event, she was seen heading to the Met Gala 2025 after-party with her hubby Nick Jonas. She changed into a shimmery mini-dress that looked absolutely stunning on her.

Videos shared by Priyanka Chopra's fan pages show the actress slaying in a shimmery mini-dress that perfectly flaunted her curves. The dress seemed to be covered in diamonds, and the actress looked gorgeous as she stepped out for the after-party. Nick Jonas was seen holding her hand as they made their way to the car. While it seemed to be raining outside, a staff member held an umbrella over the couple to shield them from the rain. Priyanka's glam was on point as well, and she appeared to be in a cheerful mood as she headed to the after-party.

Several fans of Priyanka called out her name, and the actress politely smiled and greeted them. Fans went gaga over her. While one fan commented, "Face card never declines on Priyanka," another one wrote, "Apart from being a stunning goddess that she's, Pri is so kind towards everyone. The way she tries to acknowledge the girls that are shouting her name." A third comment read, "They look so cute."

Priyanka and Nick share a special connection with the Met Gala. They first walked the red carpet together at the 2017 event as friends and soon began dating. Since then, they've become a power couple, regularly making appearances together at global events and always managing to turn heads.Meanwhile, for Met Gala 2025, Priyanka chose a stylish look designed by Olivier Rousteing for Balmain. She wore a matching jacket over her polka dot dress with a detachable train, which she removed once she reached the venue. Her outfit was a blend of old-school glamour with a modern feel. While her overall look was perfect, it was her oversized black hat and the sparkling Bulgari necklace that truly caught everyone's attention.

Mrunal Thakur

Is Impressed With Diljit Dosanjh's MET Gala 2025 Look, Says 'Hands Down'

Diljit Dosanjh made history by appearing for the first time on the red carpet of the MET Gala 2025. His royal look has been going viral. Mrunal Thakur has also joined them and showered praises on singer cum actor. She has called it her favourite look. The actor-singer showed up in a jaw-dropping royal Maharaja-inspired look, complete with a cape that had beautiful Punjabi words embroidered on it.

Taking to her Instagram stories, Mrunal shared Diljit's post and photos with the caption reading, "@Diljit Dosanjh hands down my favourite look. @IAMKANWAL_BATOOL my baby love you absolutely nailed it." The actor's look is a special tribute to Patiala's Maharaja Bhupinder Singh — proving once again that no one mixes desi swag with global fashion like Diljit. He later posted photos from the red carpet on Instagram, and while the pictures were stunning, it's his caption that's winning hearts everywhere. He wrote: "Main hoon Punjab. Inspired by the theme of Black Dandyism, I bring my turban, my culture, and my mother tongue Punjabi to the Met Gala."

Diljit, the Punjabi music sensation, made his dazzling Met Gala debut in 2025, rocking an all-white traditional look that featured a turban and a sword case. Styled by Nepalese-American designer Prabal Gurung, the outfit paid tribute to his cultural roots in the most stylish way possible.

Diljit Dosanjh wore his culture with prid, with every detail of his outfit thoughtfully chosen. The ivory and gold ensemble featured a sleek silhouette, a cinched waist, a dramatic cape, and a perfect blend of textures. His turban was adorned with fine jewels, and a matching maharaja haar completed the regal look in all its splendor. To top it off, he carried a sword. Diljit's cape also stood out, with Punjabi words embroidered on the back.

On the work front, Mrunal Thakur is currently shooting for Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai. The film stars Varun Dhawan and Pooja Hegde. The team is currently shooting for the film in Glasgow, Scotland, for a month-long schedule. Mrunal Thakur has shared a photo from the set, expressing her disbelief and gratitude.

Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai, helmed by David Dhawan, is produced by Ramesh Taurani under the TIPS banner. The cast of the film includes Varun Dhawan, Mrunal Thakur, Mouni Roy, Chunky Panday, Pooja Hegde, Maniesh Paul, Jimmy Shergill, Rakesh Bedi, Ali Asgar, Kubbra Sait, Rohit Saraf, Rajeev Khandelwal, Nitish Nirmal, and Sreeleela, among others.